ज्ञानामृत

लक्ष्मी शुभ कार्य से उत्पन्न होती है, चतुरता से बढ़ती है, अत्यन्त निपुणता से, जड़े जमाती है और संयम से स्थिर रहती है।

▶▶ महात्मा विदुर

विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक हिन्दी

www.vijaymat.com | रायपुर, सोमवार, 7 अप्रैल 2025 | वर्ष- 08 | अंक- 92 | पेज- 08 | मूल्य- ₹2.00/-

मुख्यमंत्री ने सौर ऊर्जा से संचालित ई-रिक्शा और बैटरी स्वैपिंग स्टेशन का किया लोकार्पण

नवीकरणीय ऊर्जा से बदलेगा प्रदेश का भविष्यः सीएम साय

विजय मत, रायपुर

अक्षय ऊर्जा का अधिक से अधिक उपयोग स्वच्छ, सुरक्षित भविष्य की ओर ले जाएगा। बिजली आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में नए लक्ष्य तय किए गए हैं और इसे पूरा करने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है। यह बातें मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को राजधानी रायपुर के क्रेडा कार्यालय परिसर में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में 50 करोड़ रुपए से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन कर कार्यक्रम में कही। सीएम साय ने इस दौरान सौर ऊर्जा संचालित बैटरी स्वैपिंग स्टेशन और सामान्य से सौर ऊर्जा में परिवर्तित ई रिक्शा का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी को रामनवमी के पावन पर्व की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज के इस शुभ घड़ी में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में बड़े कामों की शुरुआत हुई है। परंपरागत ईंधन के स्रोतों से पर्यावरण को हो रही क्षति को देखते हुए सौर और नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग बड़ा परिवर्तन ला सकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सौर ऊर्जा से जुड़ी अनेक योजनाएं संचालित है और इसके प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश के आमजनों और किसानों को बड़ा लाभ मिल रहा है। साथ ही नक्सल प्रभावित इलाकों में भी नियद नेल्ला नार योजना के माध्यम से बिजली पहुंचाने का काम पूरा हो रहा है और सुदूर अंचल के गांव इससे रोशन हो रहे हैं।

प्रदेश में हॉफ नहीं, मुफ्त बिजली देने का प्रयास... सीएम साय ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश में हॉफ बिजली नहीं बल्कि मुफ्त बिजली मिले और इस दिशा में सरकार प्रयासरत है। उन्होंने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली को केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना बताया और कहा कि प्रदेश में अधिक से अधिक गरीब परिवारों को इससे लाभान्वित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा भी सब्सिडी दिए जाने का प्रावधान बजट में किया गया है। मुख्यमंत्री ने ऊर्जा के क्षेत्र में 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त होने की जानकारी दी और कहा कि इससे ऊर्जा के क्षेत्र में ₹ ातिकारी परिवर्तन आएगा और हम भविष्य की जरूरतों को आसानी से पूरा कर पाएंगे।

पीएम मोदी ने रामेश्वरम् में देश को सौंपा पहला वर्टिकल लिफ्ट पंबन सी ब्रिज

रामेश्वरम, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के रामेश्वरम में भारत के पहले वर्टिकल लिफ्ट समुद्री ब्रिज पंबन का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने राज्य में कई अन्य विकास परियोजनाओं की शुरुआत भी की। समुद्र के ऊपर बना यह रेलवे ब्रिज अतीत और भविष्य को जोड़ता है। इसे राम नवमी के दिन जनता के सामने पेश किया गया। इस दौरान पीएम मोदी के वहां होने से रामेश्वरम में सुरक्षा बढ़ा दी गई। दोपहर करीब 1 बजे प्रधानमंत्री ने नए पंबन रेलवे पुल को जनता को समर्पित किया। उन्होंने रामेश्वरम से तांबरम (चेन्नई) के बीच एक नई ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी दिखाई। साथ ही उन्होंने एक तटरक्षक जहाज को भी रवाना किया। यहां से पीएम मोदी रामेश्वरम के प्रसिद्ध रामनाथस्वामी मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने भगवान के दर्शन और पूजा-अर्चना की। उन्होंने 8,300 करोड़ रुपये से अधिक की रेलवे और सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी किया। नए पंबन ब्रिज का निर्माण रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) ने किया है। यह रेल मंत्रालय के अधीन एक नवरत्न कंपनी है। ब्रिज निर्माण के दौरान पर्यावरणीय प्रतिबंध, समुद्र की तेज लहरें, तेज हवाएं और खराब मौसम जैसी कई चुनौतियां आई।

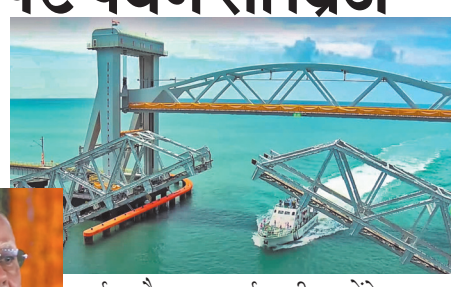

न्यूज इन शॉर्ट

खाद्यान्न उत्पादन में इफको की भूमिका सराहनीयः अमित शाह

गांधीनगर, एजेंसी। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने खाद्यान्न उत्पादन में इफको की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि इफको ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शाह ने बताया कि इफको ने रासायनिक उर्वरकों से नैनो और जैव उर्वरकों की ओर कदम बढ़ाया है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने रविवार को गांधीनगर में भारतीय किसान उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको) की कलोल इकाई के स्वर्ण जयंती समारोह में एक सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने इफको के बीज अनुसंधान केंद्र की आधारशिला भी रखी। इस दौरान शाह ने कहा, चाहे किसानों की मदद करने की बात हो, अनुसंधान, विकास, विपणन, ब्रांडिंग और हर घर तक पहुंचने की बात हो, इसको ने ऐसी दक्षता दिखाई है कि कोई बी कॉर्पोरेट कंपनी शर्मिंदा हो जाएगी।

मेटा सीईओ जुगनबर्ग ने किया दो नए एआई मॉडल्स का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। मेटा के सीईओ मार्क जकनबर्ग की तरफ से एक बड़ा ऐलान किया है और उन्होंने बताया कि कंपनी ने अपने लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) Llama के तहत दो नए मॉडल अनवील किया है। इन मॉडल्स के नाम Llama4Scout और Llama4Maverick. आने वाले दिनों में दो और मॉडल्स को पेश किया जाएगा। मार्क जकनबर्ग ने इनको लेकर खुद इंस्टाग्राम प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो शेयर किया है। उन्होंने वीडियो में दो Llama 4 मॉडल्स की जानकारी दी और बताया कि यह गूगल के जैमिनी और ओपन एआई के चैटजीपीटी 4.0 को टकर देंगे। बताते चलें कि मेटा का Llama एक मल्टीमॉडल एआई सिस्टम है। यह सिस्टम अलग-अलग डेटा को प्रोसेस कर सकता है, जिसमें टेक्सल्ट, वीडियो, इमेज और ऑडियो आदि शामिल हैं।

पीएम के दौरे के बाद श्रीलंका ने 11 भारतीय मछुआरों को किया रिहा

कोलंबो, एजेंसी। भारत ने एक बार फिर अपनी ताकत दिखाई है। पीएम मोदी के मछुआरों के मुद्दे को मानवीय दृष्टिकोण से हल करने की वकालत करने के बाद श्रीलंका ने विवादित मसले का समाधान किया है। प्रधानमंत्री मोदी के भारत लौटने से पहले ही श्रीलंका ने जेल में बंद 11 भारतीय मछुआरों को रिहा कर दिया। शनिवार को पीएम मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच बातचीत के दौरान मछुआरों का मुद्दा प्रमुखता से उठा था। इस मामले को लेकर पीएम मोदी ने कहा था कि हमने मछुआरों की आजीविका से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। हम इस बात पर सहमत हुए कि हमें इस मामले में मानवीय दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। हमने मछुआरों और उनकी नावों की तत्काल रिहाई पर भी जोर दिया।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए गंभीर चिंता का कारण बनी हार्ट अटैक की ताजा घटनाएं

सावधान.....! 20 से कम उम्र वाले भी हो रहे हैं हार्ट अटैक का शिकार

हेल्थ डेस्क, विजय मत डॉट कॉम

हार्ट अटैक वैश्विक स्तर पर बढ़ती स्वास्थ्य समस्या है, जो समय के साथ अब स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए गंभीर चिंता का कारण बनती जा रही है। ये अब सिर्फ उम्र बढ़ने के साथ होने वाली समस्या नहीं रह गई है, कम उम्र के लोग (यहां तक कि 20 से भी कम उम्र में) भी हार्ट अटैक का शिकार हो रहे हैं। हाल ही के दो मामलों ने स्वास्थ्य विशेषज्ञों को सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या ये समस्या महामारी का रूप ले लेगी?

1 **पहला मामला मध्यप्रदेश के इंदौर का है।** यहां द्वारकापुरी क्षेत्र में एक 18 साल के युवक की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। रात को उसे सीने में तेज दर्द उठा और घबराहट महसूस हुई। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मेडिकल रिपोर्ट में मौत की वजह हार्ट अटैक बताई। परिजनों ने बताया कि रामनवमी की पूर्व संध्या पर घर में पूजा रखी थी। युवक भी उसमें शामिल हुआ था। रात तक वह सामान्य नजर आ रहा था, लेकिन रात ढाई बजे वह जागा और सीने में दर्द की शिकायत करने लगे। कुछ देर बाद वह बेहोश हो गया था।

2 **दूसरा मामला महाराष्ट्र के धाराशिव जिले के शिंदे कॉलेज का है** जहां फेयरवेल के दौरान मंच पर स्पीच दे रही 20 वर्षीय छात्रा की अचानक गिरने के बाद मौत हो गई। वायरल वीडियो में छात्रा स्पीच दे रही होती है लेकिन कुछ ही पलों में मंच पर गिर जाती है। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित किया, मौत का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है। वर्षा की आठ साल की उम्र में हार्ट सर्जरी भी हुई थी, लेकिन फिलहाल वह ठीक थी।

हार्ट अटैक के बढ़ते मामलों ने डराया... पिछले कुछ वर्षों के डेटा पर नजर डालें तो पता चलता है कि खेलते-दौड़ते, ऑफिस में आराम से काम करते-करते कई लोगों की हार्ट अटैक या कार्डियक अरेस्ट से मौत हुई है। आश्चर्यजनक रूप से इसमें बड़ी संख्या ऐसे लोगों की भी है जिनकी उम्र 30 से कम है। जब भी बात हृदय को स्वस्थ रखने की आती है तो लोगों को आहार को ठीक रखने और नियमित व्यायाम करने की सलाह दी जाती है। हालांकि पिछले दिनों में कुछ ऐसी भी खबरें सामने आईं जिसमें नियमित योग करने वाले और शारीरिक रूप से फिट रहने वाले खिलाड़ियों को भी हार्ट अटैक हुआ।

फिटनेस को लेकर अलर्ट रहने वालों में बढ़े अटैक के मामले

- मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध योग गुरु और वरिष्ठ पशु चिकित्सक डा. पवन सिंहल की हाल ही में साइलेंट हार्ट अटैक से मौत हो गई। डॉ. पवन सिंहल अपनी सादगी और स्वस्थ जीवन शैली के लिए मशहूर थे। डॉ. सिंहल ने वर्ष 2022 में 11 घंटे में 100 किमी की दौड़ का रिकॉर्ड बनाया था। वह नियमित रनिंग और योग करते थे।
- इसी तरह एक अन्य मामले में बांग्लादेश के पूर्व क्रिकेटर तमीम इकबाल को भी एक मैच के दौरान हार्ट अटैक हुआ, तुरंत उपचार मिलने के कारण वह फिलहाल ठीक हैं।
- फिटनेस एक्सपर्ट्स और खिलाड़ियों को हार्ट अटैक होने की घटनाओं ने लोगों के मन में कई तरह के सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर ये मामले इतनी तेजी से क्यों बढ़ते जा रहे हैं।

नेताओं को गडकरी की नसीहत

पार्टी और कार्यकर्ताओं को अपना परिवार समझें

नागपुर, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि एक राजनीतिक नेता के लिए पार्टी उसके परिवार की तरह होनी चाहिए। उसे पार्टी कार्यकर्ताओं को अपने परिवार के सदस्य की तरह समझना चाहिए। नितिन गडकरी नागपुर शहर में भाजपा के नए कार्यालय की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले भी मौजूद थे। गडकरी ने कहा, एक नेता के लिए उसकी पार्टी उसके परिवार की तरह होनी चाहिए और पार्टी के कार्यकर्ता परिवार के सदस्यों की तरह। आपको पार्टी कार्यकर्ताओं से वैसा ही प्यार करना चाहिए, जैसा आप अपने बच्चों से करते हैं। उन्होंने कहा कि उनके और फडणवीस जैसे नेताओं को आज जो कुछ भी बनना है, उसके लिए पार्टी कार्यकर्ताओं की मदद अनिवार्य है। हमें जो कुछ भी मिला है, वह शुरू से ही असंख्य पार्टी कार्यकर्ताओं के समर्पण और बलिदान के बिना संभव नहीं था।

भाजपा कार्यकर्ता होना हमारी जाति

गडकरी ने आगे कहा कि कोई भी व्यक्ति अपनी जाति के कारण बड़ा नहीं होता है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता होना हमारी जाति (पहचान) है। उन्होंने कहा कि भाजपा का उद्देश्य राष्ट्र का समग्र विकास है। नागपुर से लोकसभा सांसद ने कहा, हमारे लिए राष्ट्र सबसे पहले और हर चीज से ऊपर है। गडकरी ने यहां नए भाजपा कार्यालय के निर्माण के लिए व्यक्तिगत रूप से 25 लाख रुपये का योगदान भी दिया।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजीव शुक्ला सीडब्ल्यूसी के स्थायी सदस्य बने

नई दिल्ली, एजेंसी

अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी ने रामनवमी के दिन एक अहम सांगठनिक फैसला लेते हुए वरिष्ठ नेता राजीव शुक्ला को कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) का स्थायी आमंत्रित सदस्य नियुक्त किया है। इस नियुक्ति की जानकारी अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) की ओर से एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।

प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह नियुक्ति कांग्रेस अध्यक्ष के निर्देश पर तत्काल प्रभाव से लागू की गई है। इस जानकारी को कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने अधिकृत रूप से साझा किया। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब कांग्रेस संगठनात्मक सुधार और नेतृत्व में मजबूती लाने के प्रयासों में जुटी हुई है। पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन अहमदाबाद में 9 अप्रैल को होना है। राजीव शुक्ला कांग्रेस के लिए क्राइसेस मैनेजर कहे जाते हैं। हर समस्या के समाधान की चाबी उन्हें कहा जाता है।

पुलिस को बासागुड़ा थाना इलाके में मिली सफलता

5 लाख रुपए का इनामी हार्डकोर नक्सली बीजापुर से गिरफ्तार

विजय मत, ब्यूरो बीजापुर

जिले के बासागुड़ा थाना इलाके से पुलिस ने हार्डकोर नक्सली को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए नक्सली पर 5 लाख का इनाम था। इस बारे में एएसपी चंद्रकांत गौवर्ना ने बताया कि गिरफ्तार नक्सली से पूछताछ के बाद उसे न्यायिक रिमांड पर कोर्ट में पेश किया गया। उन्होंने बताया कि पकड़े गया नक्सली काफी शातिर है और कई गंभीर माओवादी घटनाओं में भी शामिल रहा है। पकड़ा गया नक्सली बासागुड़ा और उसूर थाना इलाके में सक्रिया रहा है। बता दें, एंटी नक्सल ऑपरेशन के दौरान जवान बासागुड़ा एरिया में सर्चिंग के लिए निकले थे। इसी बीच पुलिस को खबर मिली की हार्डकोर माओवादी जोगा जो प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन का प्लाटून नंबर 9 का पार्टी कमेटी मेंबर है इलाके में मौजूद है। जवानों ने रणनीति बनाकर जोगा को बासागुड़ा के जंगल से गिरफ्तार कर लिया। करीब 36 साल का जोगा लंबे वक्त से नक्सली संगठन से जुड़ा रहा है। नक्सली जोगा, पोलमपल्ली के ओड़सापारा का रहने वाला है।

वक्फ बोर्ड को नियंत्रित नहीं करना चाहता केंद्रः नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार वक्फ बोर्डों को नियंत्रित नहीं करना चाहती, बल्कि यह सुनिश्चित करना चाहती है कि वे कानून के दायरे में काम करें ताकि उनकी संपत्ति का इस्तेमाल मुस्लिम समुदाय की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के लिए किया जा सके। पार्टी के 46वें स्थापना दिवस के अवसर पर दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नड्डा ने ये बात कही। उन्होंने कहा कि तुर्की और कई अन्य मुस्लिम देशों की सरकारों ने भी वहां की वक्फ संपत्तियों को अपने नियंत्रण में ले लिया है। उन्होंने कहा, हम केवल उन लोगों से कह रहे हैं जो (वक्फ बोर्ड) संचालन कर रहे हैं कि आप नियमों के अनुसार काम करें। आपको नियमों के अनुसार काम करना होगा। हम वक्फ बोर्ड को नियंत्रित नहीं करना चाहते। हमारा लक्ष्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि इसका प्रबंधन करने वाले लोग कानून के दायरे में काम करें और नियमों का पालन करें।

भारत को अभी तक नहीं मिला टॉप ग्लोबल यूनिवर्सिटी का कैंपस, और प्रयासों की जरूरतः संसदीय पैनल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत को अब तक किसी भी अग्रणी वैश्विक विश्वविद्यालय, यहां तक कि आइवी लीग संस्थानों से भी अपना परिसर नहीं मिला है। संसद की एक समिति ने इस पर चिंता जताते हुए कहा है कि भारत को इस दिशा में और सक्रिय प्रयास करने की जरूरत है। समिति ने अपनी रिपोर्ट इस हफ्ते की शुरुआत में राज्यसभा में पेश की, जिसमें यह बात सामने रखी गई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि हाल के वर्षों में विदेशी विश्वविद्यालयों की भारत में कैंपस खोलने की दिलचस्पी बढ़ी है। इसकी एक वजह भारत का बड़ा छात्र वर्ग और सरकार द्वारा सहयोगी कार्यक्रमों व संयुक्त डिग्री पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने की पहल है। रिपोर्ट में कहा गया है, हालांकि, भारत को अभी तक किसी भी अग्रणी वैश्विक विश्वविद्यालय (आइवी लीग्स, न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय, कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय, आदि) से परिसर प्राप्त करना बाकी है। समिति अनुशंसा करती है कि उच्च शिक्षा विभाग को देश के छात्रों के लिए सर्वोत्तम वैश्विक संसाधनों तक अधिक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए इसे सुरक्षित करने के प्रयास करने चाहिए। क्वीन्स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट और कोवेंट्री यूनिवर्सिटी को भी गिफ्ट सिटी में कैंपस खोलने की मंजूरी मिल गई है। अभी तक किसी भी अमेरिकी यूनिवर्सिटी का भारत में कोई कैंपस नहीं है।

विदेशी यूनिवर्सिटीज की भारत में दिलचस्पी, लेकिन अमेरिकी कैंपस अब भी दूर

आइवी लीग अमेरिका में लंबे समय से स्थापित विश्वविद्यालयों का एक समूह है, जिनकी शैक्षणिक साख और प्रतिष्ठा बहुत अच्छी है। इसमें हार्वर्ड, येल, प्रिंसटन और कोलंबिया शामिल हैं।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने 2023 में भारत में विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों के परिसरों की स्थापना और संचालन विनियमों की घोषणा की थी। जबकि ब्रिटेन का साउथेम्प्टन विश्वविद्यालय इस वर्ष भारत में अपना परिसर स्थापित करने की प्रक्रिया में है, दो आस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों- डीकिन और वोलोंगोंग के परिसर पहले से ही गुजरात अंतर्राष्ट्रीय वित्त टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) में हैं।

विजय मत एंकर अमेरिका स्थित पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं की टीम को मिली बड़ी सफलता

फ्लू-हर्पीज वायरस से 95% तक सुरक्षित रखने वाली च्युइंग गम तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी

इन्फ्लूएंजा (फ्लू) और हर्पीज वायरस के कारण हर साल लाखों लोग संक्रमण का शिकार होते हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि वैश्विक स्तर पर मौसमी इन्फ्लूएंजा हर साल लगभग एक अरब लोगों को संक्रमित करता है, जिसके कारण करीब 6.50 लाख लोगों की श्वसन संबंधी जटिताओं से मृत्यु हो जाती है। 65 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों में फ्लू के गंभीर रूप लेने और इसके कारण जान-जाने का खतरा अधिक देखा जाता रहा है। इसी तरह हर्पीज संक्रमण के कारण भी हर साल लाखों लोगों को संक्रमित पाया जाता है।

अमेरिका स्थित पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं की टीम ने एक विशेष प्रकार का च्युइंग गम विकसित किया है जो हर्पीज और फ्लू वायरस के प्रसार को कम करने में मदद कर सकता है। इस गम के परीक्षण में पाया गया है कि ये च्युइंग गम इन वायरल संक्रमण के लोड को 95 फीसदी तक कम कर सकता है। वैज्ञानिकों की टीम इस खोज को बड़ी सफलता के रूप में देख रही है, जो वायरल संक्रमणों को रोकने के तरीके को नया आकार दे सकती है।

अध्ययन में पाया गया है कि हर्पीज सिम्प्लेक्स वायरस (एचएसवी-1 और एचएसवी-2) और इन्फ्लूएंजा-ए स्ट्रेन (एच1एन1 और एच3एन2) दोनों के वायरल लोड को कम करने में इस च्युइंग गम से लाभ पाया जा सकत है। हर साल मौसम बदलने के साथ इन्फ्लूएंजा के मामले काफी तेजी से बढ़ने लगते हैं। वायरल संक्रमण के खतरे को कम करने के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों का सालाना इन्फ्लूएंजा वैक्सीन लगाने की सलाह देते हैं, हालांकि सीमित टीकाकरण कवरेज के कारण बड़ी संख्या में लोग वैक्सीनेशन से चूक जाते हैं। वहीं हर्पीज संक्रमण से बचने के लिए अभी तक कोई वैक्सीन नहीं है।

कैसे बनाया गया गम...

इन्फ्लूएंजा मुख्यरूप से श्वसन संक्रमण है जबकि हर्पीज सिम्प्लेक्स वायरस संक्रमित व्यक्ति के मुंह-त्वचा के संपर्क में आने से फैलता है। वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए वैज्ञानिकों की टीम ने ऐसा तरीका ढूंढने पर ध्यान दिया जहां से दोनों वायरस सबसे ज्यादा फैलते हैं। इसके लिए वैज्ञानिकों ने लैबलैब बीन्स जिसे लैबलैब पर्पुरियस के नाम से भी जाना जाता है इसका उपयोग करके च्युइंग गम बनाया, जिसमें स्वाभाविक रूप से फ्रिल नामक एक विशेष प्रोटीन होता है। यह प्रोटीन वायरस को बढ़ने से रोकने और उसे बेअसर करने में मदद कर सकता है।

कैसे होगा इसका असर...

जब आप इस गम को चबाएंगे तो इससे लगातार एंटीवायरल प्रोटीन रिलीज होता रहेगा, जो वायरस को शरीर में बढ़ने से पहले ही बेअसर कर देगा। प्रयोगशाला में दो ग्राम की एक च्युइंग गम को वायरल संक्रमण के जोखिमों को कम करने में 95' तक कारगर पाया गया है। शोधकर्ताओं का दावा है कि यह मानव उपयोग के लिए बिल्कुल सुरक्षित है। पेन स्कूल ऑफ डेंटल मेडिसिन के प्रोफेसर हेनरी डैनियल ने कहा, इसके परिणाम आशाजनक हैं। अभी इंसानों पर इसके व्यापक परीक्षण किए जाने हैं जिससे प्रभाविकता का और अच्छी तरह से आंकलन किया जा सके।

न्यूज इन शॉर्ट

केंदा घाटी मार्ग में पलटी ओवरलोड ट्रक, आवागमन बाधित

बिलासपुर। बिलासपुर मुख्य मार्ग पर स्थित कारीआम गांव के पास केंदा घाटी में ओवरलोड ट्रक के पलटने से रविवार को लंबा जाम लग गया. धान से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे दोनों ओर से वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बाधित हो गई. घटना के चलते हाईवे पर कई छोटे-बड़े वाहन जाम में फंस गए. मार्ग से गुजरने वाले लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है.केंदा घाटी में आए दिन हो रहे हादसे अब चिंता का विषय बनते जा रहे हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि घाटी में ओवरलोड और तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही से दुर्घटनाएं आम हो चुकी हैं. वहीं, बिलासपुर-जबलपुर नेशनल हाईवे पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण सड़कें जर्जर हो चुकी हैं. कई जगहों पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं, जिससे हादसों की आशंका और भी बढ़ जाती है. मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासनिक टीम ने यातायात को सुचारु करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं. पलटे ट्रक को हटाने और ट्रैफिक सामान्य करने का कार्य जारी है. बताया जा रहा है कि कस्टम मिलिंग के कार्य में लगी ट्रक पलटी है.बताया जा रहा है कि केंदा घाट में धान ट्रक के अलावा दो और जगहों पर वाहन किसी कारण से फंस गए हैं, जिसकी वजह लंबा जाम लगा हुआ है.

दोहरे हत्यकांड का आरोपी गिरफ्तार

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर जिले में दोहरे हत्यकांड का मामला सामने आया है. यहां सनकी पति ने चरित्र शंका में अपनी पत्नी और एक व्यक्ति की निर्मम हत्या कर दी. पुलिस ने आरोपी पति मनोज मांझी को गिरफ्तार किया है. मामला कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र का है.दरअसल, 4 अप्रैल की शाम जब आरोपी मनोज घर लौटा तो वहां मौजूद उसकी पत्नी फुलकुंवर और लक्ष्मण मांझी को देखकर वह आग बबूला हो गया. आरोपी को दोनों के बीच अवैध संबंध होने का शक गहराया तो वह अपना आपा खो बैठा और टांगी से दोनों पर प्राणघातक हमला कर दिया. हमले में दोनों की मौत हो गई.गौरतलब है कि दरअसल मनोज मांझी ने पहली पत्नी की मौत के बाद फुलकुंवर मांझी के साथ दूसरी शादी की थी. लक्ष्मण मांझी पहली पत्नी का चाचा था. मनोज को शक था कि लक्ष्मण मांझी और उसकी दूसरी पत्नी फुलकुवंर मांझी के बीच अवैध संबंध है. इसी शक में आरोपी मनोज ने दोनों की हत्या कर दी.पुलिस ने इस मामले में मनोज मांझी के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की.

गंजपारा में दुर्गा मंदिर में पूजा करके कन्या भोज कराया गया

बालोद । जिला मुख्यालय में श्री दुर्गा मंदिर समिति गंजपारा बालोद में नवमी के शुभ अवसर पर नव कन्या भोज का आयोजन किया गया। भक्तिमय माहौल में 9ः30 बजे प्रारंभ हुआ पहले नौ कन्या का पूजा करके कन्या भोज कराया गया। बाद में बच्चे सभी कन्या को निरंतर कन्या भोज कराया गया। उसके पश्चात सभी भक्तजनों को खीर ,पूरी ,हलवा का वितरण किया गया। इस भक्तिमय? माहौल में बड़ी संख्या में गंजपारा एवं आसपास के भक्ति जन उपस्थित हुए। नो कन्या भोज में श्री दुर्गा समिति गंजपारा के सभी सदस्य गण व्यवस्था में लग रहे

प्रधान आरक्षक ने मांगी 50 हजार रिश्वत, युवक ने किया सुसाइड

सरगुजा । जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र के चुकंन डांड सेमरपारा में 20 वर्षीय युवक आशीष मिंज ने आम के पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. यह मामला तब और गंभीर हो गया जब मृतक की मां अलका मिंज ने प्रधान आरक्षक पन्ना एक्का पर पूछताछ के नाम पर दबाव बनाकर 50 हजार रुपये की मांग करने का आरोप लगाया.मृतक की मां ने बताया कि नवंबर 2024 में उसके बेटे की 16 वर्षीय प्रेमिका संध्या मिंज ने आशीष के घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी. इस घटना के बाद युवक ने भी कीटनाशक खा लिया था, लेकिन इलाज के बाद वह ठीक हो गया था. लड़की के परिजनों की शिकायत के बाद लखनपुर पुलिस इस मामले में जांच कर रही थी और युवक व उसकी मां को कई बार पूछताछ के लिए थाने बुलाया गया था.मां का आरोप है कि 50 हजार रुपये की मांग को लेकर पुलिस का लगातार दबाव था. हाल ही में जब मां-बेटे को पुनः थाने बुलाया गया, तब थाने के ऊपरी कमरे में देर शाम तक पूछताछ की गई. शाम 7 बजे युवक को छोड़ा गया, जिसके बाद वह घर पहुंचते ही रोने लगा और मां को थाने में हुए घटनाक्रम की जानकारी दी. रात में खाना खाकर वह सो गया, लेकिन अगली सुबह उसका शव घर के समीप पेड़ से लटका मिला. घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया.

सुशासन तिहार की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने ली बैठक

सभी हाट बाजारों में समाधान पेटी रखने के निर्देश

महासमुंद। जिले में सुशासन तिहार-2025 की तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की वीसी के माध्यम से बैठक ली। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निदेर्शानुसार यह तिहार जनसमस्याओं के त्वरित समाधान, जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा व जनसंवाद को सशक्त बनाने के लिए तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार 2025 के माध्यम से आमजन की समस्याओं का समाधान तत्परता से करें, ताकि उन्हें कहीं भटकना ना पड़े। बैठक में पुलिस अधीक्षक आशुतोष सिंह, जिला पंचायत सीईओ एस आलोक, अपर कलेक्टर रवि कुमार साहू, रविराज ठाकुर, एसडीएम महासमुंद हरिशंकर पैकरा, ओंकारेश्वर सिंह सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान कलेक्टर लंगेह ने कहा कि आम जनता से उनकी समस्याओं के संबंध में 08 से 11 अप्रैल तक सभी ग्राम पंचायत मुख्यालयों, नगरीय निकाय कार्यालयों और कलेक्ट्रेट में समाधान पेटी रखी जाएगी। सुबह 10 से शाम 5 बजे तक आवेदन प्राप्त किए जाएंगे, ताकि लोग अपनी समस्याएं और शिकायतें निःसंकोच लिखकर उसमें डाल सकें। कलेक्टर लंगेह ने आवेदन प्राप्त करने के लिए सभी सीईओ को ग्राम पंचायत स्तर पर, सभी नगरीय निकाय के सीएमओ को और सभी हाट बाजारों में सीएमएचओ को समाधान पेटी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। कलेक्टर लंगेह ने जिला स्तर पर समाधान शिविर के आयोजन के लिए जिला पंचायत सीईओ एस आलोक को नोडल अधिकारी और अपर कलेक्टर रवि कुमार साहू एवं रवि राज ठाकुर को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसके साथ ही सभी एसडीएम को विकासखंड स्तर पर नोडल अधिकारी बनाया गया है। ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने की भी पोर्टल में व्यवस्था रहेगी। कॉमन सर्विस सेंटर का भी ऑनलाइन आवेदन लेने के लिए उपयोग किया जा सकता है। प्रत्येक आवेदन को एक कोड देने की जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी। निर्धारित प्रारूप में खाली आवेदन पत्र (ग्रामवार/नगरीय निकायवार कोड सहित) प्रिन्ट कराकर ग्रामीणों को उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन प्राप्त होने वाले सभी आवेदनों को उसी दिन पोर्टल पर पंजीकृत कर ऑनलाइन अपलोड किया जाएगा। साथ ही प्रत्येक आवेदक को पावती प्रदान की जाएगी। यदि किसी आवेदन में मोबाइल नंबर अंकित नहीं है, तो संबंधित आवेदक को मोबाइल नंबर उपलब्ध कराने के लिए कहा जाएगा, ताकि आवश्यक जानकारी उन्हें एसएमएस के माध्यम से भेजी जा सके। कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा कि सुशासन तिहार तिथियों का विभिन्न प्रचार माध्यमों से और सभी सीओ एवं सीएमओ को ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय में मुनादी कराकर व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए।समाधान शिविरों का आयोजन 5 मई से कलेक्टर ने कहा कि समाधान शिविरों का आयोजन 05 से 31 मई तक किया जाएगा। इन शिविरों में आवेदकों को उनके आवेदनों की स्थिति के बारे में जानकारी दी जाएगी और जहां संभव होगा, वहीं समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाएगा।

स्वास्थ्य जागरूकता के लिए जिला पुलिस ने निकाली सायकिल रैली

विजय मत बिलासपुर ब्यूरो।

जिला पुलिस बिलासपुर द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के मार्गदर्शन में पुलिस ग्राउंड बिलासपुर से स्वास्थ्य जागरूकता हेतु साइकिल रैली का आयोजन किया गया। यह रैली फिट इंडिया मिशन के तहत फिटनेस का डोज आधा घंटा रोज÷ थीम पर आधारित थी और द संडे ऑन सायकिल अभियान के रूप में आयोजित की गई।रैली में जिला बल, सीएएफ व नगर सेना के अधिकारी कर्मचारी सम्मिलित हुए और फिटनेस को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। यह अभियान केंद्र सरकार की खेलो इंडिया योजना के फिट इंडिया पहल के तहत आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य लोगों को शारीरिक गतिविधियों के प्रति जागरूक करना और उन्हें अपनी सेहत का ध्यान रखने के लिए प्रेरित करना है। रैली की शुरुआत पुलिस ग्राउंड से हुई और यह अग्रसेन चौक, सीएमडी चौक, पुराना बस स्टैंड, तेलीपारा रोड, कोतवाली, गोलबाजार, सिम्स चौक, देवकीनंदन चौक, नेहरू चौक, अंबेडकर चौक होते हुए पुनः पुलिस ग्राउंड में समापन हुई। रैली में लगभग 200 से अधिक अधिकारी, कर्मचारी और नागरिकों ने भाग लिया और सभी ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किया, जिसके माध्यम से उन्हें डिजिटल प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने सभी से अपील की कि वे अपनी दिनचर्या में साइकिलिंग, रनिंग, वॉकिंग जैसी शारीरिक गतिविधियों को शामिल करें और ओवरइटिंग से बचें ताकि पाचन संबंधी समस्याओं और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से बचा जा सके।

मांदरी नृत्य में तीसरा स्थान हासिल किया,50 हजार राशि, प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न भेंट किया

"बस्तर पण्डुम" की संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में जनजातीय वाद्य यंत्र में कांकेर जिला को प्रथम स्थान प्राप्त किया

विजय मत उत्तर बस्तर कांकेर ब्यूरो।

दंतेवाड़ा में आयोजित संभाग स्तरीय बस्तर पंडूम के दौरान जनजाति संस्कृति के वेशभूषा, खान-पान, गीत-संगीत, नाट्य, नृत्य, शिल्प कला पर आधारित प्रतियोगिता के विजेताओ को आज पुरस्कृत किया। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विजेता प्रतिभागियों को 50 हजार रुपए की राशि का चेक, प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न देकर पुरस्कृत किया। इसमें कांकेर जिले के कोयलीबेडा ब्लॉक को जनजातीय वाद्य यंत्र में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके लिए कोयलीबेड़ा ब्लॉक के श्री मोहनलाल उसेंडी और श्री पंकज उसेंडी को केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने मंच पर पुरस्कृत किया। इस उपलब्धि के लिए कलेक्टर श्री नीलेश महादेव क्षीरसागर और कांकेर विधायक श्री आशाराम नेताम ने जिले की सभी विजेता टीमों को उनकी उपलब्धि के लिए अपनी शुभकामनाएं दी हैं। इसी तरह जनजाति नृत्य शैली में कांकेर और सुकमा जिले को संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह और मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी विजेताओं को बधाई और शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर कांकेर सांसद श्री भोजराज नाग, उप मुख्यमंत्री द्वय श्री अरुण साव, श्री विजय शर्मा सहित कैबिनेट मंत्रीगण मौजूद थे।

शासकीयकरण की मांग को लेकर पंचायत सचिव काम बंद-कलम बंद हड़ताल पर अड़िग

विजय मत कोरबा ब्यूरो।

जिले के ग्राम पंचायतों में काम करने वाले पंचायत सचिवों का हड़ताल जारी है। व्यवस्था संभालने के लिए कोई नही है और पंचायत कार्यालयों में ताले लगे है। नवनिर्वाचित सरपंचों को अधिकार और शक्तियां नही मिल पाई है। इससे गांवों का मूलभूत व्यवस्था गड़बड़ा गया है। न पेयजल सही तरीके से मिल रहा है न ही साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त हो रहे और न ही अन्य काम हो रहे है। ऐसे में ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मोदी की गारंटी में चुनाव पूर्व पंचायत सचिव को शासकीयकरण किये जाने के वादे को पूर्ण कराने प्रदेश पंचायत सचिव संघ के आह्वान पर जिले के सचिव अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए है। जिससे पंचायतों में कामकाज ठप्प है और ग्रामीण परेशान हो रहे है। पीएम आवास, मनरेगा, पेंशन वितरण, पेयजल व्यवस्था, साफ- सफाई, जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र समेत पंचायतों के अन्य मूलभूत कार्य बुरी तरह से प्रभावित हो चले है। बता दें कि जिले में 17 से 23 फरवरी तक 3 चरणों मे पंचायत आम चुनाव सम्पन्न हुआ। इसके बाद 3 मार्च से निर्वाचित सरपंचों का शपथ ग्रहण और 17 मार्च से पंचायतों के सचिव हड़ताल पर चले गए। सरपंचों को कार्यभार भी नही सौंपा गया। जिसका असर गांवों में नजर आने लगा है। पंचायतों में सामान्य काम नही हो पा रहे है और ग्रामीणों के मूलभूत सुविधाएं प्रभावित होने के साथ सरकारी योजनाओं को आगे बढ़ाने में दिक्कत हो रही है। हड़ताल पर अड़िग सचिवों का कथन है कि बीते विधानसभा चुनाव में मोदी की गारंटी में पंचायत सचिवों को शासकीयकरण करने का वादा किया था। इसे भाजपा ने अपने घोषणापत्र में शामिल किया था और सरकार बनने के 100 दिन के अंदर पंचायत सचिवों को शासकीयकरण किये जाने का आश्वासन दिया था, लेकिन आज सरकार बने 400 से अधिक दिन हो रहे है।

उत्कृष्ट जांच एवं विवेचना कार्यवाही से आरोपियों को सजा देना दिलाने वाले पुलिस अधिकारियों को किया गया सम्मानित

निरीक्षक शशांक सिंह एवं सहायक उप निरीक्षक राजेश सेन को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

बलौदाबाजार। पहला प्रकरण- आरोपी पति अक्षय गायकवाड द्वारा मृतिका मंजू गायकवाड को शारीरीक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया, जिसके परिणाम स्वरुप दुष्परित होकर मृतिका द्वारा दिनांक 10.10.2023 की रात्रि 22ः00 से 11.10.2023 की सुबह 04ः00 बजे के दरमियान ग्राम कुसमी अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया गया। कि सूचना पर थाना पलारी पुलिस द्वारा मर्ग जांच करने पर मृतिका की मृत्यु पति अक्षय गायकवाड द्वारा प्रताड़ित करने से परेशान होकर आत्महत्या करना पाया गया। कि प्रकरण में आरोपी के विरुद्ध थाना पलारी में अपराध क्र. 540/2023 धारा 306, 498ए भादवि के तहत प्रकरण पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में थाना पलारी पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर, प्रकरण में जांच विवेचना कार्यवाही करते हुए, विवेचना पूर्ण कर अभियोग पत्र न्यायालय प्रस्तुत किया गया। न्यायालय द्वारा प्रकरण में अभियुक्त अक्षय गायकवाड उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम घिंवरा थाना खरोरा जिला रायपुर को धारा 498ए, 306 भादवि के तहत 10 वर्ष कारावास एवं ?2000 अर्थदंड से दंडित किया है। प्रकरण की संपूर्ण विवेचना निरीक्षक शशांक सिंह तत्कालीन थाना प्रभारी पलारी द्वारा किया गया

बिलासपुर से अयोध्या तक श्रीरामलला दर्शन यात्रा का शुभारंभ, तोखन साहू ने दिखाई हरी झंडी

बिलासपुर । राम नवमी के पावन अवसर पर बिलासपुर पुलिस ग्राउंड में आयोजित ÷श्री रामलला दर्शन यात्रा÷ का भव्य शुभारंभ केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने ध्वज फहराकर किया।÷चलो अयोध्या÷ नामक इस विशेष यात्रा का उद्देश्य ननिहाल बिलासपुर से लेकर भगवान श्रीराम के जन्मस्थान अयोध्या तक श्रद्धा, आस्था और संस्कृति की ज्योति को प्रज्वलित करना है।

कार्यक्रम में शहर के अनेक गणमान्य अतिथि, साधु-संत, सामाजिक कार्यकर्ता और भारी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित रहे। पूरे वातावरण में ÷जय श्रीराम÷ के जयघोष और भक्ति की गूंज रही, जिससे आयोजन स्थल पूरी तरह राममय हो गया।कार्यक्रम के दौरान श्रीराम के जीवन से प्रेरित भजन, झांकियां और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी की गईं, जिससे श्रद्धालु अभिभूत हो उठे।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री तोखन साहू ने कहा कि यह यात्रा समाज में सद्भाव, एकता और सांस्कृतिक जागरण का प्रतीक है, जो रामचरित की महिमा को जन-जन तक पहुंचाएगी। आयोजकों द्वारा यात्रा की सम्पूर्ण व्यवस्था को सुव्यवस्थित और अनुशासित रूप में संचालित किया गया।

चारामा के माता शीतला मंदिर में नवरात्र पर उमड़ी भक्तों की भींड़

ज्योति कलश एवं जंवारा का किया विसर्जन

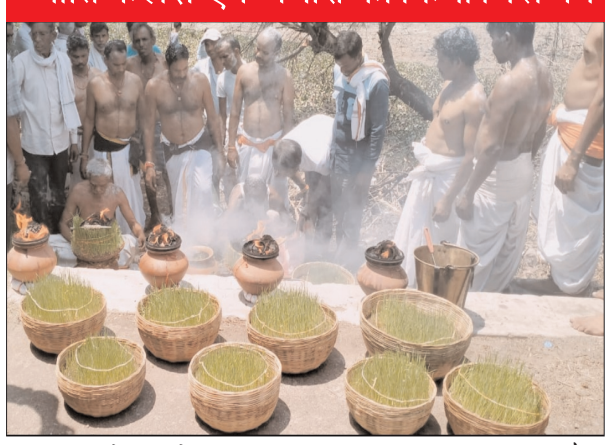

चारामा। चैत्र नवरात्रि का पर्व इस वर्ष अंचल में बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया । । नवरात्र के अंतिम दिवस पर माता रानी की विदाई के अवसर पर नगर सहित अंचल में माता के सभी मंदिरों पर श्रद्धालूओं की भारी भींड़ उमड़ पड़ी ।नवरात्रि का पर्व हिंदूओं का सबसे बड़ा पर्व माना गया है । श्रद्धालू इस नवरात्र पर्व को वर्ष में दो बार चैत्र व क्वाँर के महिने में मनाते हैं । शनिवार के दिन चैत्र नवरात्र की अष्टमी का पर्व मनाया गया । इस दिन माता रानी के सभी मंदिरों पर विधिवत हवन पूजन किया गया ।

माता रानी को प्रसन्न करने सभी भक्तों ने अपने अपने ढंग से पुजा अर्चना की और देवी माता से भूल चूक के लिए क्षमा भी मांगी ।

चैत्र माह की अष्टमी को हवन पूजन करने के उपरांत चारामा के शीतला माता के मंदिर में प्रथम दिवस से जलाए गए

मनोकामना ज्योति कलश एवं जंवारा को भक्तों ने नगर के देव स्थल कहे जाने वाले सरार तालाब में विधिवत विसर्जित कर दिया है । नवरात्र के अंतिम दिवस पर माता रानी की विदाई के अवसर पर नगर सहित अंचल में माता के सभी मंदिरों पर श्रद्धालूओं की भारी भींड़ उमड़ पड़ी ।

खास-खबर | सभी निर्माणाधीन कार्यों को निर्धारित समयावधि में गुणवत्तायुक्त ढंग से पूरा कराने के दिए निर्देश

कलेक्टर ने संबलपुर में फिकल स्लज ट्रिटमेंट प्लांट एवं ग्राम परसाडीह में निर्माणाधीन चेकडेम तथा ग्राम झिटिया में पीडीएस गोदाम का किया निरीक्षण

बालोद । कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने आज अपने डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के प्रवास के दौरान विकासखण्ड मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम संबलपुर में निर्माणाधीन फिकल स्लज ट्रिटमेंट प्लांट, ग्राम परसाडीह में निर्माणाधीन चेकडेम एवं ग्राम झिटिया में शासकीय उचित मूल्य की दुकान के निर्माणाधीन गोदाम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को सभी निर्माणाधीन कार्यों को निर्धारित समयावधि में गुणवत्तायुक्त ढंग से पूरा कराने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर चन्द्रवाल ने मौके पर उपस्थित एसडीएम शिवनाथ बघेल, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों को निर्माण कार्य के प्रगति के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्माणाधीन कार्य का सतत् मॉनिटरिंग सुनिश्चित कर निर्माण कार्य को समयावधि में पूरा कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को फिकल स्लज ट्रिटमेंट प्लांट परिसर में पौधरोपण कराने के भी निर्देश दिए। इस दौरान चन्द्रवाल ने ग्राम परसाडीह पहुँचकर परसाडीह नाला में जल जतन अभियान के अंतर्गत निर्माणाधीन चेकडेम का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीण सेवा यांत्रिकी विभाग के अनुविभागीय अधिकारियों एवं अन्य अधिकारियों को निर्माण कार्य के प्रगति के अलावा इस चेकडेम के निर्माण कार्य पूरा हो जाने से ग्रामीणों को होने वाले लाभ के संबंध में भी जानकारी ली। ग्रामीण सेवा यांत्रिकी विभाग के अनुविभागीय अधिकारी ने बताया कि इस चेकडेम के निर्माण हो जाने से ग्रामीणों को निस्तारी हेतु पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सकेगा। इसके अलावा इस चेकडेम के माध्यम से आसपास के खेतों में सिंचाई हेतु पानी की समुचित आपूर्ति भी सुनिश्चित हो सकेगा। जिससे आसपास के खेतों में ग्रीष्म ऋतु में भी शाक, सब्जी एवं अन्य फसलों का उत्पादन करने में सहुलियत होगी।

ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि लगभग 03 कि.मी. लंबी इस नाले में एक-एक कि.मी. के अंतराल में चेकडेम का निर्माण किया गया है। उन्होंने बताया कि चेकडेम का निर्माण कार्य 15 मई तक पूरा हो जाएगा। इसके पश्चात् कलेक्टर चन्द्रवाल डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम झिटिया पहुँचकर शासकीय उचित मूल्य की दुकान के निर्माणाधीन गोदाम का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्माण कार्य के प्रगति के संबंध में जानकारी ली।

न्यूज इन शॉर्ट

चिट्टा बेचने ग्राहक की तलाश कर रहा युवक पकड़ाया

रायपुर,। राजधानी की डीडी नगर थाना पुलिस ने अवैध रूप से मादक पदार्थ चिट्टा बेचने के लिए ग्राहक की तलाश् कर रहे युवक को गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से 80 हजार रूपये कीमत का 8 ग्राम चिट्टा बरामद किया है।मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 05.04.2025 को मुखबिर से सूचना मिली कि थर्ड जेंडर सेंटर के बाजू शमशान घाट जाने वाले सड़क सरोना रायपुर में एक व्यक्ति अपने पास अवैध मादक पदार्थ चिटठा रखा हुआ है तथा ग्राहक तलाश कर रहा है। सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित थाना डीडी नगर स्टॉफ खेराबंदी कर आरोपी तरूण बजाज पिता नरेश बजाज को गिरफ्तार कर एक्टिवा वाहन की तलाशी लिया गया। तलाशी में आरोपी के जेब से एक नग मोबाईल तथा एक सफेद रंग के पॉलीथीन में अवैध मादक पदार्थ चिटठा मिला जिसे तौल कराने पर कुल वजन करीबन 8.00 ग्राम कीमती लगभग 80 हजार होना पाया गया। आरोपी के कब्जे से मादक पदार्थ चिटठा, स्कुटी एक्टिवा एवं मोबाईल जप्त कर किया गया। आरोपी तरूण बजाज के विरूद्ध थाना डीडी नगर में धारा 21(बी) एनडीपीएस एक्ट पंजीबद्ध किया जाकर आरोपी को न्यायिक रिमाण्ड में जेल भेजा गया है।

पत्नी की गला घोंटकर उतारा मौत के घाट, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। कबीरनगर में एक युवक ने अपनी पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी। मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।मिली जानकारी के अनुसार आरोपी प्रिंस सिंह 20 वर्ष अपनी पत्नी सोनानी सिंह 22 वर्ष के साथ एनडीडी 87 कबीरनगर में रहता है। आरोपी ने पारिवारिक विवाद के चलते अपनी पत्नी सोनानी की गला घोंटकर हत्या कर दी। मामले में कबीरनगर पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है।

अलग-अलग क्षेत्र से दो दोपहिया वाहन पार

रायपुर। अलग-अलग थाना क्षेत्र से अज्ञात चोर ने दो दोपहिया वाहन पार कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार पहले मामले में मठपुरैना शिवनगर निवासी असरफ हुसैन 29 वर्ष ने टिकरापारा थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एचटी 3362 को अपने घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 30 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। इसी तरह दूसरे मामले में शक्तिनगर खम्हारडीह निवासी अजय कुमार ध्रुव 25 वर्ष सिविल लाइन थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एनबी 4317 को श्याम प्लाजा के सामने खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 35 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सूने मकान से हजारों रुपए के जेवर पार

रायपुर,। सोमवारी बाजार नवापारा स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर पार कर दिए। प्रार्थी की शिकायत पर गोबरानवापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किए है।मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी संतोष कहार 44 वर्ष सोमवारी बाजार नवापारा का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर पार कर दिए। चोरी गए जेवर की कीमत करीब 85 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर गोबरानवापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ के समग्र विकास में क्रेडा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण - साय

मुख्यमंत्री साय क्रेडा के नवनियुक्त अध्यक्ष सवन्नी के पदभार ग्रहण समारोह में हुए शामिल

रायपुर विजयमत ब्यूरो।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) के नवनियुक्त अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी के पदभार ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्री सवन्नी को नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ के समग्र विकास में क्रेडा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास जताया किसवन्नी के नेतृत्व में राज्य में स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा और यह क्षेत्र नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और आने वाले समय में यह सेक्टर रोजगार, पर्यावरण और आर्थिक सशक्तिकरण का बड़ा

आधार बनेगा। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सौर ऊर्जा और अन्य वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पदभार ग्रहण के उपरांत श्री भूपेंद्र सवन्नी ने मुख्यमंत्री सहित सभी विशिष्ट अतिथियों और आमंत्रितजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस दायित्व को पूर्ण निष्ठा, समर्पण और पारदर्शिता के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य छत्तीसगढ़ को अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में लाना है।इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, विधायकगण मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, संपत अग्रवाल, धरमलाल कौशिक, पवन साय, ऊर्जा विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, क्रेडा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राजेश राणा, तथा अन्य निगम-मंडलों के नवनियुक्त अध्यक्षगण और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने किया महिला पत्रकारों का कलम वीरांगना सम्मान

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के पूर्व मीडिया के क्षेत्र में काम करने वाली महिला पत्रकारों का सम्मान कांग्रेस संचार विभाग द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, कांग्रेस के राष्ट्रीय सह प्रभारी विजय जांगिड़ ने शाल एवं मोमेंटो देकर महिला पत्रकार बहनों का सम्मान किया।इस अवसर पर उद्बोधन देते हुये पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि मीडिया के क्षेत्र में इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं को काम करते हुए देख कर सुखद अनुभूति होती है। पहले के जमाने में प्रिंट मीडिया में पूरे रायपुर में तीन-चार महिला पत्रकार ही दिखती थी। यह बड़ी उपलब्धि है कि आज रिपोर्टिंग और एंकरिंग दोनों ही स्थानों पर महिलाओं ने अपनी जगह बनाई है। आज की नारी सशक्त हो गयी है। कांग्रेस पार्टी लगातार तीन वर्षों से महिला पत्रकारों का सम्मान करते आ रही है। आप सबका यहां आना कांग्रेस के लिए गौरव का क्षण है। आजादी के समय से पत्रकारिता और पत्रकारों की अहम भूमिका रही है। पहले कहा जाता था खीचों न कमानो को, न तलवार निकालो, जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो। आप सबका देश के नवनिर्माण लोकतंत्र को बचाने में बड़ी भूमिका है। महिला पत्रकारों के सम्मान की परंपरा आगे बढ़ाने के लिए संचार विभाग को बधाई।

पंडरी के कपड़ा शोरूम से लाखों की चोरी का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार

रायपुर विजयमत ब्यूरो।

पुलिस ने 31 मार्च को पंडरी मेन रोड स्थित कपड़ों के शो रूम श्री शिवम में सनसनीखेज तरीके से 30 लाख रुपए की चोरी करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. इनके कब्जे से 17 लाख रुपए कैश, एक कार, एक्टिवा व पल्सर बाइक आदि जब्त की गई है. मास्टरमाइंड शो रूम वाले कॉम्प्लेक्स में टाइटन वॉच की फ्रेंचाइजी काउंटर में काम करने वाला सेल्समैन हथबंध निवासी राजेश टंडन निकला. उसे ही शो रूम की भीतरी सुरक्षा और सीसीटीवी कैमरों के बारे में जानकारी थी. यही आरोपी अपनी पहचान छिपाने शो रूम बंद होने से 15 मिनट पहले बुरका पहनकर घुसा. रात 12 बजे के बाद वह दुकान के अंदर

छिपने की जगह से बाहर निकला और काउंटर का ड्रावर तोड़कर 30 लाख रुपए निकालकर बैग में भरकर फरार हो गया. आरोपी छत से रस्सी के सहारे नीचे उतरते समय फिसलकर गिरा और उसका पैर टूट गया. पुलिस ने उसे तिल्दा के ओम अस्पताल में छापा मारकर गिरफ्तार किया. इसके बाद राजनांदगांव और चिखली धरसींवा निवासी उसके तीन साथी क्रमशः मोहनीश श्रीवास्तव, सुरेश दीवान और प्रेम बघेल दबोचे गए. सभी आरोपी कर्ज में डूबे, पुराना कोई रिकॉर्ड नहीं पुलिस को चारों आरोपियों का कोई

मुख्यमंत्री साय से नवनियुक्त निगम-मंडल अध्यक्षों ने की सौजन्य भेंट

रायपुर विजयमत ब्यूरो।

मुख्यमंत्रीविष्णुदेव साय से आज राजधानी स्थित उनके निवास कार्यालय में नवनियुक्त निगम-मंडलों के अध्यक्षों ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी अध्यक्षों को नवीन दायित्व की बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार विकास और जनकल्याण के प्रति संकल्पबद्ध है। निगम-मंडलों के माध्यम से शासन की अनेक योजनाएँ और हितग्राहीमूलक कार्यक्रम जमीनी स्तर तक पहुँचते हैं। उन्होंने सभी अध्यक्षों से अपेक्षा की कि वे अपने दायित्वों का

निर्वहन पूरी निष्ठा, समर्पण और पारदर्शिता के साथ करें तथा छत्तीसगढ़ की प्रगति में सक्रिय भूमिका निभाएँ।इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य केश शिल्पी कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन, राज्य समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत, उपाध्यक्ष श्रीमती चंद्रकांति वर्मा एवं छत्तीसगढ़ राज्य तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्षजितेन्द्र कुमार साहू उपस्थित थे।

संगोष्ठी में बच्चों के लिए कविता -लेखन पर वरिष्ठ कवियों ने किया विचार-विमर्श

कवि गोष्ठी में 50 से ज्यादा कवियों ने किया काव्य -पाठ

रायपुर । संकेत साहित्य समिति द्वारा छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में बच्चों के लिए कविता-लेखन पर कल शाम आयोजित संगोष्ठी में अनेक वरिष्ठ कवियों ने विचार - विमर्श किया. स्थानीय वृन्दावन हॉल में इस अवसर पर कवि -गोष्ठी भी आयोजित की गई. इसमें रायपुर और आसपास के 50 से ज्यादा कवियों ने काव्य पाठ किया। प्रदेश के प्रसिद्ध इतिहासकार डॉ.रमेन्द्रनाथ मिश्र कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे. अध्यक्षता जाने -माने कवि गिरीश पंकज ने की .वरिष्ठ साहित्यकार शकुंतला तरार, लतिका भावे और संजीव ठाकुर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे. का आयोजन किया गया। इस मौके पर वरिष्ठ साहित्यकार अमरनाथ त्यागी , के.पी.सक्सेना 'दूसरे और गणेश दत्त झा विशेष रूप से उपस्थित रहे। संगोष्ठी में वक्ताओं ने इस बात पर अपने विचार प्रकट किए कि बच्चों के लिए कविता कैसी होनी चाहिए.माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद अतिथियों का स्वागत डॉ माणिक विश्वकर्मा नवरंग,

राजेश जैन राही, पल्लवी झा,सुषमा पटेल एवं लालजी साहू ने किया। कार्यक्रम के आरंभ में विषय की प्रस्तावना देते हुए संकेत साहित्य समिति के संस्थापक एवं प्रांतीय अध्यक्ष डॉ माणिक विश्वकर्मा नवरंग ने कहा कि बच्चों के लिए कविता वही सार्थक मानी जाती है जिसका सरोकार बच्चों की मानसिकता से हो, जो मनोरंजक होने के साथ ही ज्ञानवर्धक भी लगें और जिसे समझने और पढ? में बच्चों को आसानी हो. उन्होंने अपनी बाल कविता -हँसते हँसते रोती है, रोते रोते सोती है । दूध तभी पीती है जब,उसकी मर्जी होती है पढ़कर उदाहरण प्रस्तुत किया. कार्यक्रम अध्यक्ष वरिष्ठ साहित्यकार गिरीश पंकज ने इस बात पर खुशी जताई ।

भारतमाला परियोजना में भ्रष्टाचार की जांच की मांग, चरणदास महंत ने सीबीआई जांच के लिए नितिन गडकरी को लिखा पत्र

रायपुर विजयमत ब्यूरो।

छत्तीसगढ़ में भारतमाला परियोजना के तहत भूमि अधिग्रहण और मुआवजा वितरण में भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा है। उन्होंने इस पूरे मामले की से जांच कराने की मांग की है।डॉ. महंत ने पत्र में लिखा कि रायपुर से विशाखापट्टनम तक प्रस्तावित इकोनॉमिक कॉरिडोर के अंतर्गत रायपुर जिले के अभनपुर अनुविभाग में निजी भूमि के अधिग्रहण से लेकर मुआवजा निर्धारण तक में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। उनका आरोप है कि आपराधिक षड्यंत्र के तहत लोक सेवकों और भूमि स्वामियों ने नियमों को ताक पर रखते हुए 43.18 करोड़ की आर्थिक क्षति भारत सरकार को

पहुंचाई है। जांच प्रतिवेदन के अनुसार जहां वास्तविक मुआवजा राशि 7.65 करोड़ होनी चाहिए थी, वहां 49.39 करोड़ का भुगतान किया गया। यानी 43.18 करोड़ का अतिरिक्त भुगतान कर दिया गया। उन्होंने बताया कि भूमि अधिसूचना के बाद भी पुराने दिनांक में रजिस्ट्री, बटवारा, नामांतरण जैसी गतिविधियां कराई गईं, जिससे मुआवजे की दरें बढ़ गईं।ईओडब्ल्यू जांच को बताया अवैध-चरणदास महंत ने कहा कि विधानसभा में 12 मार्च को उन्होंने मांग की थी कि चूंकि यह मामला भारत सरकार की परियोजना से जुड़ा है और इसमें वरिष्ठ अधिकारियों की भी संलिप्तता हो सकती है,

इसलिए इसकी जांच या तो से कराई जाए या फिर विधायकों की समिति बनाई जाए।

लेकिन राज्य सरकार ने इस मांग को ठुकराकर ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो) से जांच कराने का निर्णय लिया, जो कि राज्य की एजेंसी है।उन्होंने कहा कि चूंकि यह केंद्र की परियोजना है, इसलिए राज्य की कोई भी एजेंसी इसकी जांच के लिए सक्षम नहीं है, और अगर जांच हुई भी तो उसे अदालत में चुनौती दी जा सकती है जिससे भ्रष्टाचार के आरोपी बच निकलेंगे।

सरकार पर गंभीर आरोप

महंत ने आरोप लगाया कि जांच प्रतिवेदन राज्य सरकार को 11 सितंबर 2023 को मिल चुका था, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई तब तक नहीं हुई जब तक उन्होंने विधानसभा में प्रश्न नहीं उठाया। उन्होंने यह भी कहा कि अभी तक न तो ?43.18 करोड़ की वसूली की गई और न ही किसी आरोपी के खिलाफ ठोस कानूनी कदम उठाए गए।

पूरे राज्य में जांच की मांग

उन्होंने कहा कि यह भ्रष्टाचार केवल अभनपुर क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतमाला परियोजना के तहत अधिग्रहित सभी जमीनों में इसी तरह की गड़बडियां की गई हैं।

रायपुर सेंट्रल जेल में कैदियों के लिए सिनेमा हॉल, दिखाई जाएगी फिल्में

रायपुर विजयमत ब्यूरो।

सेंट्रल जेल रायपुर में कैदियों के पुनर्वास और मानसिक विकास की दिशा में एक अनूठी पहल की गई है। जेल परिसर में अब एक विशेष सिनेमा हॉल की शुरूआत की गई है,

जहां कैदियों को देशभक्ति से परिपूर्ण और प्रेरणादायक फिल्में दिखाई जा रही हैं। इस सिनेमा हॉल में प्रोजेक्टर, स्क्रीन और आधुनिक साउंड सिस्टम जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे कैदियों को एक गुणवत्तापूर्ण सिनेमा अनुभव मिल रहा है। जेल प्रशासन का कहना है कि यह पहल कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर करने और उनमें सकारात्मक सोच विकसित करने हेतु की गई है। जेल

अधीक्षक के अनुसार, सिनेमा हॉल में केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि शिक्षाप्रद शॉर्ट फिल्में भी प्रदर्शित की जाएंगी।

इनका उद्देश्य कैदियों को नैतिक मूल्यों, अच्छे व्यवहार और समाज में पुनः स्थापित होने की प्रेरणा देना है। फिल्मों का चयन भी सोच-समझकर किया जाएगा ताकि वे कैदियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकें। यह पहल मनोरंजन के साथ-साथ एक सामाजिक पुनर्वास प्रयास के रूप में मानी जा रही है।

खास-खबर

पसंदीदा फिल्म डेस्टिनेशन बनकर उभर रहा है हमारा छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री साय

सीएम ने परिवारिक छत्तीसगढ़ी फिल्म सुहाग का ट्रेलर लॉन्च किया

रायपुर विजयमत ब्यूरो।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास कार्यालय में रामनवमी के शुभ अवसर पर पारिवारिक छत्तीसगढ़ी फिल्म सुहाग का ट्रेलर लॉन्च किया।उन्होंने विधायक और फिल्म में मुख्य किरदार निभा रहे अभिनेता पद्मश्री अनुज शर्मा और उनकी पूरी टीम को बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विधायक पुरन्दर मिश्रा, नवनियुक्त छत्तीसगढ़ राज्य केश शिल्पी कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन, राज्य समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत, उपाध्यक्ष श्रीमती चंद्रकांति वर्मा और छत्तीसगढ़ राज्य तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार भी उपस्थित रहे।साय ने कहा कि लंबे अरसे के बाद छत्तीसगढ़ में एक पारिवारिक फिल्म दर्शकों के सामने आ रही है। फिल्म में परिवार को केंद्र में रखा गया है और यही बात फिल्म को खास बनाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृति,

परंपरा, रिश्तों और भावनाओं को पर्दे पर जीवंत करने का यह प्रयास निश्चित रूप से सफल होगा। उन्होंने कहा कि फिल्म की मूल भावना दर्शकों को पारिवारिक मूल्यों और भावनात्मक रिश्तों की गहराइयों से रूबरू कराता है। मुख्यमंत्री के साथ फिल्म के निमार्ता, निर्देशक और कलाकारों का परिचय हुआ और फिल्म के कुछ रोचक किस्सों पर चर्चा हुई।

गौरतलब है कि फिल्म सुहाग (वचन में बंधे मया के कहानी) फिल्म 18 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में मुख्य भूमिका में छत्तीसगढ़ी सिनेमा के सुपरस्टार अनुज शर्मा नजर आएंगे, जिनका अभिनय हमेशा की तरह गहराई, सहजता और संवेदनशीलता से भरपूर है। अभिनेता अनुज शर्मा और अभिनेत्री सुश्री अनिकृति चौहान पहली बार बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आएंगे। ट्रेलर लॉन्च के दौरान फिल्म से जुड़े सिद्धांत, डायरेक्टर और राइटर श्री राहुल थवाईत, निमार्ता चंद्रशेखर तिवारी, श्रीमती वत्सला सौरभ शर्मा, सह निमार्ता लोकनाथ दीवान मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ सरकार भी प्रदेश में फिल्मों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि फिल्म निमार्ता व निर्देशकों के लिए छत्तीसगढ़ पसंदीदा फिल्म डेस्टिनेशन बनकर उभर रहा है और लगातार फिल्में और वेब सीरीज यहां बन रही हैं। छत्तीसगढ़ सरकार भी प्रदेश में फिल्मों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है ताकि इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले प्रदेश के युवाओं को भी पर्याप्त अवसर मिले। विधायक और फिल्म अभिनेता अनुज शर्मा ने मुख्यमंत्री को फिल्म सुहाग के बारे में विस्तार से जानकारी दी और बताया कि फिल्म 18 अप्रैल से सिनेमाघरों में लगेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को फिल्म देखने के लिए आमंत्रित किया।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

टैरिफ वार: विश्व व्यापार संधि का अस्तित्व खतरे में

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में व्यापार युद्ध (टैरिफ वार) ने वैश्विक व्यापार संधि को लेकर, दुनिया के देशों में एक नई चिंता पैदा कर दी है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के अंतरराष्ट्रीय संस्थान जिनके जिम्मे नियम और कानून का पालन सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगभग 166 देशों द्वारा वैश्विक व्यापार संधि में हस्ताक्षर किए हैं। उन देशों के कारोबार और आर्थिक स्थिति को लेकर संकट खड़ा हो गया है। हाल ही में अमेरिका ने टैरिफ को लेकर जो निर्णय लिए हैं। वह वैश्विक व्यापार संधि के खिलाफ हैं। उससे सारी दुनिया के देशों मे अमेरिका के साथ व्यापार को लेकर तनाव बन गया है। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते टैरिफ युद्ध ने सभी देशों में वैश्विक व्यापार व्यवस्था को बुरी तरह से अस्थिर कर दिया है। अमेरिका ने राष्ट्र हितों की दुहाई देकर चीन, भारत एवं अन्य देशों पर आयातित वस्तुओं पर भारी शुल्क लगा दिया है। वैश्विक व्यापार संधि के अनुसार उसको इस तरह की कार्रवाई करने का अधिकार नहीं है।अमेरिका एक तरफा निर्णय ले रहा है। दूसरी ओर चीन ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस प्रतिशोधात्मक नीति का प्रभाव सारी दुनिया के देशों के साथ-साथ अमेरिका और चीन जैसे बड़े देशों की अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय है। इस टकराव के कारण दुनिया के 166 देशों में व्यापारिक स्थिरता को लेकर बड़ा खतरा उत्पन्न हो गया है। यह स्थिति तब और भी चिंताजनक हो जाती है। जब वैश्विक व्यापार संधि को नियंत्रित करने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं इस विवाद में निषप्रभावी दिखाई पड रही हैं। दुनिया के सभी देशों के बीच वैश्विक व्यापार संधि का मूल उद्देश्य सभी देशों के बीच व्यापार विवादों का समाधान करना और वैश्विक व्यापार को सभी देशों के लिए मुक्त व्यापार के लिये अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार सभी देशों के लिये निष्पक्ष एवं स्थिर नीति को बनाना और उनका पालन करने की जिम्मेदारी है।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

स्वास्थ्य के प्रति करना होगा जागरूक

रमेश सर्राफ धमोरा

स्वास्थ्य हमारे जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। इंसान जब तक स्वस्थ रहता है तब तक उसमें कार्य करने की क्षमता बनी रहती है। जब वह अस्वस्थ होने लगता है तो उसके कार्य करने की क्षमता भी कमजोर पड़ने लगती है। इसीलिए हमारे बुजुर्ग कहा करते थे कि पहला सुख निरोगी काया। यानी शरीर स्वस्थ रहने पर ही सबसे पहला सुख मिलता है। आज के दौर में खानपान में लापरवाही के चलते अधिकतर व्यक्ति किसी ने किसी बीमारी से ग्रसित रहने लगे हैं। इससे उनके कार्य क्षमता में भी कमी आई है। मनुष्य के अस्वस्थ होने पर उसके उपचार पर पैसे खर्च होते हैं जिससे उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर होने लगती है। इसके साथ ही बीमार व्यक्ति का पूरा परिवार भी उसकी बीमारी के चलते तनाव में रहने लगता है। भागम-भाग के दौर वाली आज की जिंदगी में जो व्यक्ति अपना स्वास्थ्य सही रख पाता है। वह कम कमा कर भी सबसे अधिक सुखी रह सकता है। इसलिए हमें सबसे अधिक अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए।

> आज दुनिया भर में मनुष्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी दुनिया के देशों को समय-समय पर चेतावनी देता रहता है। कुछ वर्ष पूर्व आई कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया था। मगर वैज्ञानिकों की तत्परता से वैक्सीन निर्माण होने के चलते वह नियंत्रण में आ गई थी। मगर भविष्य में भी ऐसी कोई गारंटी नहीं है कि कोरोना जैसी महामारी फिर नहीं आए। कभी भी कोई नई महामारी आ सकती है। इसलिए हमें हमारे खानपान, रहन-सहन व वातावरण में सावधानी बरतनी चाहिए ताकि हम बेवजह की बीमारियों से बच सके।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर विशेष

स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने के लिए प्रति वर्ष 7 अप्रैल को पूरी दुनिया में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने के पीछे विश्व स्वास्थ्य संगठन का मकसद दुनियाभर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। साथ ही साथ सरकारों को स्वास्थ्य नीतियों के निर्माण के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करना। वर्तमान में इस संगठन के बैनर तले 195 से अधिक देश अपने-अपने देश के नागरिकों को रोगमुक्त बनाने के लिए प्रयासरत है। विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाने की शुरुआत 1950 से हुई। वैश्विक आधार पर स्वास्थ्य से जुड़े सभी मुद्दे को विश्व स्वास्थ्य दिवस लक्ष्य बनाता है। जिसके लिये कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा अंतरर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के खास विषय पर आधारित कार्यक्रम इसमें आयोजित होते हैं। पूरे साल भर के स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिये और उत्सव को चलाने के लिये एक खास विषय का चुनाव किया जाता है। वर्ष 2025 में विश्व स्वास्थ्य दिवस का विषय है स्वस्थ शुरुआत, आशावादी भविष्य। यह विषय माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और जीवन को बढ़ाने पर केंद्रित है। जिसका लक्ष्य परिहार्य मातृ और शिशु मृत्यु के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आधे भारतीयों की आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच ही नहीं है। जबकि स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने वाले लोग अपनी आय का 10 फीसदी से ज्यादा इलाज पर ही खर्च कर रहे हैं। वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक (जीसीआई) 2024 में भारत का स्कोर 98.49/100 रहा है। यह स्कोर अमेरिका, जापान, और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ भारत को टियर 1 में रखता है। वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा सूचकांक 2024 के अनुसार भारत 42.8 के समग्र सूचकांक स्कोर के साथ 195 देशों में से 66वें स्थान पर है और 2019 से -0.8 का परिवर्तन है। 2021 में दुनिया भर के देशों की स्वास्थ्य प्रणालियों की रैंकिंग के अनुसार, स्वास्थ्य सूचकांक स्कोर के आधार पर भारत 167 देशों में से 111वें स्थान पर था।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार तीन साल की अवस्था वाले 3.88 प्रतिशत बच्चों का विकास अपनी उम्र के हिसाब से नहीं हो सकी है और 46 प्रतिशत बच्चे अपनी अवस्था की तुलना में कम वजन के हैं, जबकि 79.2 प्रतिशत बच्चे एनीमिया से पीड़ित हैं। गर्भवती महिलाओं में एनीमिया 50 से 58 प्रतिशत बढ़ा है। कहा जाता है कि जिस देश कि चिकित्सा सुविधाएं बेहतर होगी उस देश के लोगों कि औसत आयु उतनी ही अधिक होगी। भारतवासियों को यह जानकर हैरानी होगी कि औसत आयु के मामले में बांग्लादेश भारत से आगे है। भारत में औसत आयु जहां 64.6 वर्ष मानी गई है, वहीं बांग्लादेश में यह 66.9 वर्ष है। इसके अलावा भारत में कम वजन वाले बच्चों का अनुपात 43.5 प्रतिशत है और प्रजनन क्षमता की दर 2.7 प्रतिशत है, जबकि पांच वर्षों से कम अवस्था वाले बच्चों की मृत्यु दर 66 है और शिशु मृत्यु दर जन्म लेने वाले प्रति हजार बच्चों में 41 है जबकि 66 प्रतिशत बच्चों को डीपीटी का टीका देना पड़ता है।

भारतीय स्वास्थ्य रिपोर्ट के मुताबिक सार्वजनिक स्वास्थ्य की सेवाएं अभी भी पूरी तरह से मुफ्त नहीं है और जो है उनकी हालत अच्छी नहीं है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रशिक्षित लोगों की काफी कमी है। भारत में डॉक्टर और आबादी का अनुपात भी संतोषजनक नहीं है। हमारे देश में 1000 लोगों पर एक डॉक्टर भी उपलब्ध नहीं है। अस्पतालों में बिस्तर की उपलब्धता भी काफी कम है और केवल 28 प्रतिशत लोग ही बेहतर साफ-सफाई का ध्यान रखते हैं। पिछले कुछ सालों में हमारे देश में कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का प्रभाव बढ़ा है। साथ ही मधुमेह, हृदय रोग, क्षय रोग, मोटापा, तनाव की चपेट में भी लोग बड़ी संख्या में आ रहे हैं। महिलाओं में स्तन कैंसर, गर्भाशय कैंसर का खतरा बढ़ा है। ये बीमारियां बड़ी तादाद में उनकी मौत का कारण बन रही हैं। ग्रामीण तबके में देश की अधिकतर आबादी उचित खानपान के अभाव में कुपोषण की शिकार हो रही है। महिलाओं, बच्चों में कुपोषण का स्तर अधिक देखा गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रति 10 में से सात बच्चे एनीमिया से पीड़ित हैं। वहीं महिलाओं की 36 प्रतिशत आबादी कुपोषण की शिकार है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

गंभीर खतरे की घंटी है प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक

ललित गर्ग

प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। विश्व की कई शोध पत्रिकाओं में छपे शोध-लेख समय-समय पर विभिन्न अध्ययनों के चेताने वाले निष्कर्ष प्रकाशित करते रहते हैं। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना न केवल प्रकृति, कृषि, पर्यावरण वरन मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सरकारों को इस संकट से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये योजनाएं बनानी चाहिए। माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिकमुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि माइक्रोप्लास्टिक जीवन में हैं, हवा में हैं, पानी में हैं, नदी में हैं, समुद्र में हैं, बारिश में हैं, और इन सबके चलते वे हमारे भोजन में भी हैं, हम मनुष्यों के भी, पशुओं के भी और शायद सभी प्राणियों के जीवन में भी हैं। लगातार दूषित होते जल, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और भूमि क्षरण जैसे मुद्दों पर सरकार की जागरूकता एवं सहयोग का भरोसा दिलाया जाता रहा है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

भारतीय संस्कृति, कला, साहित्य, संगीत सुरक्षित रहे जो हमारा अनमोल खजाना और धरोहर है

किशन सनमुखदास भावनानी

भारत हज़ारों वर्षों से संस्कृति, साहित्य, कला और संगीत के विविध रंगों और आध्यात्मिक शक्ति से भरपूर एक अणखुट खज़ाने का धनी रहा है जिसे विश्व के हर देश ने बड़ी जिज्ञासा के साथ महसूस किया है और यह जानने की कोशिश की है कि आखिर कोई देश इस अलौकिक सृष्टि में इतना कुदरती खज़ाने से भरपूर कैसे हो सकता है!!!

साथियों बात अगर हम इस वैश्विक सोच की करें तो हमारी जीत इस सोच के साथ ही हो जाती है कि हमारे देश के बारे में विश्व इतना सकारात्मक और जिज्ञासा से भरी बौद्धिक क्षमता से देख वह सोच रहा है। फिर सोने पर सुहागा है कि आज जिस तेजी के साथ हमारा देश प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, परिवहन, शिक्षा, कौशलता विकास, नवाचार, नवोन्मेष सहित अनेक क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है और वैश्विक स्तरपर उपलब्धियों की झड़ी लगा रहा है उसे देखकर पूर्ण विकसित देश भी हैरान हैं!!! साथियों बात अगर हम इस डिजिटल इंडिया में भारतीय संस्कृति, सभ्यता, परंपराओं के विभिन्न रंगों के संरक्षण और सुरक्षा की करें तो इसके हर रंग को जो मानवीय हस्तकला से संजोयित हैं, उन्हें इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से संरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि सदियों तक हमारी अगली पीढ़ी भी इसके महत्व का मूल्यांकन कर सके और जब तक यह सृष्टि रहे तब तक हमारी भारतीय संस्कृति, कला, साहित्य, संगीत सुरक्षित रहे जो हमारा अनमोल खज़ाना और धरोहर है उसे हम यूं विलुप्त होने नहीं देंगे यह सोच आज हर भारतीय नागरिक के हृदय में समाना अत्यंत ज़रूरी है, खास करके हमारे युवा साथियों को इस परंपरा को आगे संरक्षित करना है क्योंकि आज भारत की 65 फ़ीसदी जनसंख्या युवा है।

> साथियों बात अगर हम इस वैश्विक सोच की करें तो हमारी जीत इस सोच के साथ ही हो जाती है कि हमारे देश के बारे में विश्व इतना सकारात्मक और जिज्ञासा से भरी बौद्धिक क्षमता से देख वह सोच रहा है। फिर सोने पर सुहागा है कि आज जिस तेजी के साथ हमारा देश प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, परिवहन, शिक्षा, कौशलता विकास, नवाचार, नवोन्मेष सहित अनेक क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है और वैश्विक स्तरपर उपलब्धियों की झड़ी लगा रहा है उसे देखकर पूर्ण विकसित देश भी हैरान हैं!!! साथियों बात अगर हम इस डिजिटल इंडिया में भारतीय संस्कृति, सभ्यता, परंपराओं के विभिन्न रंगों के संरक्षण और सुरक्षा की करें तो इसके हर रंग को जो मानवीय हस्तकला से संजोयित हैं, उन्हें इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से संरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि सदियों तक हमारी अगली पीढ़ी भी इसके महत्व का मूल्यांकन कर सके और जब तक यह सृष्टि रहे तब तक हमारी भारतीय संस्कृति, कला, साहित्य, संगीत सुरक्षित रहे जो हमारा अनमोल खज़ाना और धरोहर है उसे हम यूं विलुप्त होने नहीं देंगे यह सोच आज हर भारतीय नागरिक के हृदय में समाना अत्यंत ज़रूरी है, खास करके हमारे युवा साथियों को इस परंपरा को आगे संरक्षित करना है क्योंकि आज भारत की 65 फ़ीसदी जनसंख्या युवा है।
>
> साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा मन की बात कार्यक्रम में कहे गए अपने विचारों की करें तो उन्होंने भी इस अवसर पर भारतीय कला, संस्कृति, साहित्य, संगीत पर सार्थक हृदय से अपने विचार रखें जो तारीफ़ के काबिल है पीआईबी के अनुसार उन्होंने कहा, भारतीय संस्कृति के विविध रंगों और आध्यात्मिक शक्ति ने हमेशा से दुनियाभर के लोगों को अपनी ओर खींचा है। अगर मैं आपसे कहूँ कि भारतीय संस्कृति, अमेरिका, कनाडा, दुबई, सिंगापुर, पश्चिमी यूरोप और जापान में बहुत ही लोकप्रिय है तो यह बात आपको बहुत सामान्य लगेगी, आपको कोई हैरानी नहीं होगी। लेकिन, अगर ये कहूँ कि भारतीय संस्कृति का लेटिन अमेरिका और साउथ अमेरिका में भी बड़ा आकर्षण है, तो, आप एक बार जरुर सोच में पड़ जायेंगे। मैक्सिको में खादी को बढ़ावा देने की बात हो या फिर ब्राज़ील में भारतीय परम्पराओं को लोकप्रिय बनाने का प्रयास, मन की बात में हम इन विषयों पर पहले चर्चा कर चुके हैं। आज मैं आपको अर्जेंटीना में फहरा रहे भारतीय संस्कृति के परचम के बारे में बताऊंगा। अर्जेंटीना में हमारी संस्कृति को बहुत पसंद किया जाता है। 2018 में, मैंने, अर्जेंटीना की अपनी यात्रा के दौरान योग के कार्यक्रम में - योगा फॉर पीस में हिस्सा लिया था। यहाँ अर्जेंटीना में एक संस्था है - हस्तिनापुर फाउंडेशन। आपको सुनकर के आश्चर्य होता है न, कहाँ अर्जेंटीना, और वहाँ भी, हस्तिनापुर फाउंडेशन। यह फाउंडेशन, अर्जेंटीना में भारतीय वैदिक परम्पराओं के प्रसार में जुटा है। इसकी स्थापना 40 साल पहले एक मैडम, प्रोफ़ेसर ऐडा एलब्रेक्ट ने की थी। आज प्रोफ़ेसर ऐडा एलब्रेक्ट 90 वर्ष की होने जा रही हैं। भारत के साथ उनका जुड़ाव कैसे हुआ ये भी बहुत दिलचस्प है। जब वो 18 साल की थी तब पहली बार भारतीय संस्कृति की शक्ति से उनका परिचय हुआ। उन्होंने भारत में काफी समय भी बिताया। भगवद् गीता और उपनिषदों के बारे में गहराई से जाना। आज हस्तिनापुर फाउंडेशन के 40 हज़ार से अधिक सदस्य हैं और अर्जेंटीना एवं अन्य लैटिन अमेरिकी देशों में इसकी करीब 30 शाखाएं हैं। हस्तिनापुर फाउंडेशन ने स्पेनिश भाषा में 100 से अधिक वैदिक और दार्शनिक ग्रन्थ भी प्रकाशित किये हैं। इनका आश्रम भी बहुत मनमोहक है। आश्रम में 12 मंदिरों का निर्माण कराया गया है, जिनमें अनके देवी-देवताओं की मूर्तियाँ हैं। इन सबके केंद्र में एक ऐसा मंदिर भी है जो अद्वैतवादी ध्यान के लिए बनाया गया है।साथियो, ऐसे ही सैकड़ों उदाहरण यह बताते हैं, हमारी संस्कृति, हमारे लिए ही नहीं, बल्कि, पूरी दुनिया के लिए एक अनमोल धरोहर है। दुनिया भर के लोग उसे जानना चाहते हैं, समझना चाहते हैं, जीना चाहते हैं। हमें भी पूरी जिम्मेदारी के साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत को खुद अपने जीवन का हिस्सा बनाते हुए सब लोगों तक पहुँचाने का प्रयास करना चाहिए।
>
> अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारतीय संस्कृति महान है। वैश्विक स्तरपर भारतीय संस्कृति के विभिन्न रंगों और आध्यात्मिक शक्ति ने सारे विश्व को आकर्षित किया है तथा भारतीय संस्कृति, कला, साहित्य, संगीत ने संपूर्ण विश्व में अपनी एक अलग पहचान, प्रतिष्ठा बनाई है जिस पर हमें गर्व है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

शब्द पहेली - 8329

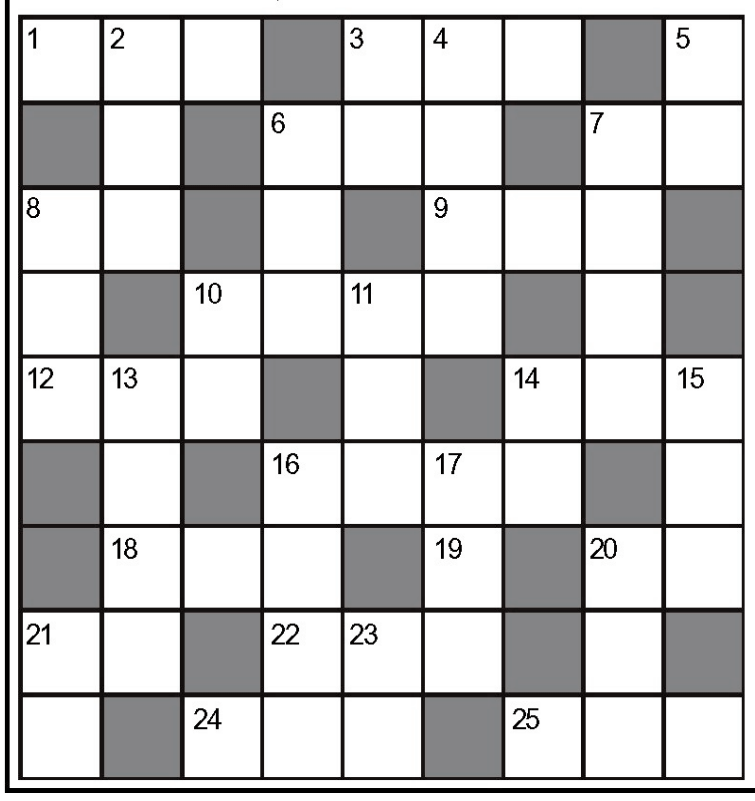

बाएँ से दाएँ

1. तन, शरीर-3
3. चकोर, चंद्रप्रेमी पक्षी-3
6. झगड़ा, द्वेष-3
7. मोटा आटा-2
8. खिंचाव, स्वर विस्तार-2
9. असली, शुद्ध-3
10. यंत्रशाला-4
12. कार्यविधि-3
14. चिंगारी-3
16. एक कंद जिसे सुखा कर सौंठ बनाई जाती है-4
18. दूल्हे की पगड़ी-3
20. सम्मान-2
21. प्राण, जीवन तत्व-2
22. कुशल, होनहार-3
24. राशिचक्र की एक राशि-3
25. प्रेमी, साजन- 3

ऊपर से नीचे

2. अवलोकन, दरस-3
3. चलने का ढंग-2
4. तलघर-4
5. इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6. जलजला-3
7. रसीला, रस से भरपूर-4
8. बल, जोर, दम-3
10. चाचा, अंकल-2
11. शौहर, पति-3
13. 'दीवाने हुए पागल' की नायिका-2,2
14. वहम, संदेह-3
15. राजा, सम्राट-3
16. उपद्रवी, आतंकी-4
17. गिरवी रखी वस्तु-3
20. बैठने की जगह-3
21. शराब का प्याला-2
23. रांझे की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -8328 का हल

	अ	जा	न		स	ली	का	
दा	दा		सी		ह		या	द
मि			ब	र	सा	त		म
नी	र	व		थ		र	ह	न
		ज	रा		सा	की		
सु	ल	ह		दां		ब	हा	व
दा			सा	व	न			ज
मा	ता		ह		य		का	न
	त	म	स		न	क	ल	

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

7 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मीन में
चंद्र	कर्क में
मंगल	कर्क में
बुध	मीन में
गुरु	वृष में
शुक्र	मीन में
शनि	मीन में
राहु	मीन में
केतु	कन्या में

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मेष	06.11 बजे से
वृष	07.51 बजे से
मिथुन	09.49 बजे से
कर्क	12.03 बजे से
सिंह	14.19 बजे से
कन्या	16.31 बजे से
तुला	18.42 बजे से
वृश्चिक	20.56 ब.से
धनु	23.12 बजे से
मकर	01.17 बजे से
कुंभ	03.04 बजे से
मीन	04.37 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 97 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2081
शक संवत् 1946
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 20.01 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 06.25 बजे को समाप्त।
योग धृति 18.19 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 07.37 बजे तदनन्तर गर 20.01 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 08.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 06° 51'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872307
जूलियन दिन 2460772.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल
तारीख 08

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

कार्यकर्ताओं की मेहनत से भाजपा बनी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी

भाजपा के ब्रांड एंबेसडर बनकर घर-घर जाएं कार्यकर्ता : विष्णुदत्त शर्मा

विजय मत, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने पार्टी के स्थापना दिवस पर रविवार को प्रदेश कार्यालय में भारतमाता एवं डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी, पं.दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर पार्टी का ध्वज फहराया। प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाकर बधाई दी। उत्साहित कार्यकर्ताओं ने आतिशबाकरजी अपनी खुशी व्यक्त की एवं एक-दूसरे को बधाईयां दी। प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने देश-प्रदेश के नागरिकों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि करोड़ों कार्यकर्ताओं के परिश्रम से भारतीय जनता पार्टी आज दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है।

यथार्थ में बदल रहा अंत्योदय का विचार

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय का जो विचार पार्टी को दिया था, उसे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यथार्थ में बदल रहे हैं। एक गरीब मां के बेटे प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में बदलाव आया है और देश के 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री मोदी गरीबों के मसीहा के रूप में उभरे हैं। आज पार्टी के स्थापना दिवस पर हम सभी कार्यकर्ता ये संकल्प लें कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अंतिम व्यक्ति के कल्याण लिए जो अभियान चल रहा है, उसे आगे बढ़ाने के लिए समर्पित होकर काम करेंगे।

साकार हो रहा अटलजी का सपना ... भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज हम सभी के लिए ऐतिहासिक दिन है। जनसंघ के बाद 1980 में 6 अप्रैल को ही स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई थी। मुंबई में पार्टी के पहले अधिवेशन को संबोधित करते हुए स्व. अटलजी ने कहा था कि अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में स्व. अटलजी का यह सपना साकार हो रहा है। देश के हर क्षेत्र में कमल खिला है। पंच-सरपंच से लेकर प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति तक भाजपा के नेता हैं।

गरीब कल्याण की योजनाओं को घर-घर पहुंचाने का संकल्प ले कार्यकर्ता

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने प्रदेश कार्यालय में पार्टी के अरेरा मंडल के वार्ड 45 के बूथ क्रमांक 159 के प्राथमिक सदस्यों के सम्मेलन में बूथ अध्यक्ष गोविन्द सिंह माउडी का अंग वस्त्र पहनाकर सम्मान किया और सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की स्थापना जनसंघ के रूप में बलिदानों के आधार पर हुई। देश के पहले प्रधानमंत्री पं. नेहरू ने जब कश्मीर में धारा 370 लगाकर दो निशान, दो विधान और दो प्रधान का प्रावधान किया तो उनके मंत्रिमंडल के सदस्य डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने उसका विरोध किया और इस्तीफा देकर जनसंघ की स्थापना की। उन्होंने कश्मीर जाकर सत्याग्रह किया और जेल में उनकी हत्या कर दी गई। पार्टी को अंत्योदय का विचार देने वाले पं. दीनदयाल उपाध्याय उत्तरप्रदेश के नगला चंद्रभान में जिस झोपड़ी में जन्मे थे, उसे देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आंखें नम हो गई थीं। उन्होंने संकल्प लिया कि देश में कोई गरीब झोपड़ी में नहीं रहेगा और प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरुआत हुई। गरीब मां के बेटे मोदी ने अपनी मां को चूल्हा फूंकते हुए खाना बनाते देखा था। उन्होंने कहा कि अब किसी गरीब मां के फेफड़े धुएं से खराब नहीं होंगे। उन्होंने उज्जवला योजना की शुरुआत की और आज देश के 16 करोड़ गरीब परिवारों को गैस कनेक्शन देकर धुएं से राहत दी है। आयुष्मान भारत योजना में पांच लाख तक का मुफ्त इलाज मिल रहा है और अब कोई गरीब पैसे के अभाव में इलाज से वंचित नहीं रहेगा। तीन तलाक पर रोक के लिए बनाए गए कानून से मुस्लिम बहनों के जीवन में खुशियां आई हैं। शर्मा ने कहा कि मोदी सरकार की योजनाओं का लाभ सभी समाज एवं वर्ग के व्यक्तियों को बिना किसी भेदभाव के मिल रहा है। इस बात को आप सभी कार्यकर्ताओं को निचले स्तर तक लेकर जाना है। आज पार्टी के स्थापना दिवस पर आप सभी कार्यकर्ता यह संकल्प लें कि आप सभी भाजपा के ब्रांड एंबेसडर बनकर बूथ-बूथ और घर-घर तक जाएंगे तथा वंचितों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाएंगे। कार्यकर्ता सम्मेलन में प्रदेश शासन के मंत्री चेतन कश्यप, पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा सिंह जादौन, प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल एवं जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति मंचासीन रहे।

मंत्री टेटवाल को डी लिट की मानद उपाधि से किया गया सम्मानित

विजय मत, भोपाल

शिक्षा, तकनीकी नवाचार और कौशल विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल को अमलतास विश्वविद्यालय, देवास के दीक्षांत समारोह में डॉक्टर ऑफ लिटरेचर (D.Litt.) की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

मंत्री टेटवाल को यह उपाधि शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाने, युवाओं को तकनीकी दक्षता से जोड़ने तथा आधुनिक और व्यावहारिक शिक्षा व्यवस्था को बढ़ावा देने के उनके सतत प्रयासों के लिए प्रदान की गई है। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. इंदर सिंह परमार ने उन्हें डी. लिट की मानद उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया। मंत्री मंत्री टेटवाल ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए जीवन का गौरवपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा कि यह केवल उनका व्यक्तिगत नहीं, बल्कि उन सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों, तकनीकी विशेषज्ञों और युवाओं का सम्मान है, जो अपने ज्ञान व कौशल के माध्यम से प्रदेश और देश के विकास में योगदान दे रहे हैं। मंत्री टेटवाल ने कहा कि शिक्षा और तकनीक आज के युग की सबसे बड़ी शक्ति है और उनका सदैव प्रयास रहा है कि शिक्षा को रोजगार से जोड़ते हुए युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया जाए।

मंत्री टेटवाल सारंगपुर विधानसभा क्षेत्र से दूसरी बार विधायक निर्वाचित हुए हैं। उनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश में तकनीकी शिक्षा, औद्योगिक प्रशिक्षण एवं डिजिटल कौशल के क्षेत्र में कई नवाचार हुए हैं। उन्होंने प्रदेश में नई तकनीकी संस्थाओं की स्थापना, नवीन रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की शुरुआत तथा ग्रामीण-शहरी युवाओं को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। दीक्षांत समारोह में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षाविदों और तकनीकी विशेषज्ञों की उपस्थिति रही। अमलतास विश्वविद्यालय परिवार द्वारा मंत्री टेटवाल को इस उपलब्धि पर बधाई और शुभकामनाएं दी गईं।

न्यूज इन शॉर्ट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को दी राम नवमी की बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के अवतरण दिवस राम नवमी पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि कृपासिंधु प्रभु श्रीराम के आशीर्वाद से सभी का कल्याण हो और मध्यप्रदेश व देश प्रगति के नए कीर्तिमान स्थापित करता रहे; यही कामना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया के लिए जारी संदेश में कहा कि युगों-युगों से भगवान श्रीराम के जीवन की एक-एक घटना लोगों के मन मस्तिष्क में अंकित है। केवल सनातनी ही नहीं अपितु सभी देशवासी भगवान राम के जीवन से प्रेरणा प्राप्त करते हैं। सरयू किनारे भगवान राम के भवन मंदिर का निर्माण हो चुका है, भगवान श्रीराम ने ग्यारह साल से अधिक की अवधि चित्रकूट में बिताई, राज्य सरकार चित्रकूट के विकास को प्राथमिकता देते हुए गतिविधियां संचालित कर रही है, शीघ्र ही चित्रकूट अलग रूप में दिखाई देगा।

दिव्यांग छात्रावास की स्थापना एवं संचालन, स्कूल शिक्षा विभाग ने छात्रावास निर्माण के लिये बजट में किया है प्रावधान

भोपाल। प्रदेश के संभागीय मुख्यालयों पर दिव्यांग विद्यार्थियों के लिये 50 सीटर बालक और 50 सीटर बालिका दिव्यांग छात्रावास निर्माण के लिये प्रति इकाई 3 करोड़ 50 लाख रुपये की स्वीकृति स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लोक निर्माण विभाग को दी गयी है। दिव्यांग छात्रावास का निर्माण संभागीय मुख्यालय पर स्थित ऐसे स्कूलों में किया जायेगा, जहाँ सह-शिक्षा उपलब्ध है। वर्तमान में ऐसे दिव्यांग विद्यार्थी, जो कक्षा 8वीं तक की शिक्षा राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा संचालित छात्रावास में रहकर पास करते हैं, उन दिव्यांग विद्यार्थियों को कक्षा-9 और उससे ऊपर की कक्षाओं में पढ़ाई के लिये राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा संचालित छात्रावास में व्यवस्था की गयी है। स्वीकृत छात्रावासों में से ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, शहडोल तथा नर्मदापुरम में निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष संभागीय मुख्यालयों में कार्य प्रगति पर है।

पोषण ट्रेकर बनाएगी सरकार, जन्म से लेकर हजार दिन तक बच्चों पर रखी जाएगी नजर

भोपाल। जन्म से हजार दिवस तक बच्चों के पोषण का ख्याल रखने के लिए पोषण ट्रेकर बनाया जा रहा है। कुपोषण को कम करने के लिए न केवल पोषण अभियान चलाया जाएगा, बल्कि जीवन के हजार प्रथम दिवस थीम पर हर दिन की जानकारी रखी जाएगी। केन्द्र सरकार ने निर्देश जारी किए। जन्म के बाद से हजार दिन तक बच्चों के स्वास्थ पर नजर रखने के लिए हर साल चलाए जाने वाली पखवाड़े पर हजार दिन तक चलाने के निर्देश जारी किए है। केन्द्रीय महिला बाल विकास मंत्रालय बीमारियों से बचाने के प्रयास समुदाय अधिकारिक पोषण प्रबंधन के माध्यम से कुपोषण के साथ साथ बच्चों में मोटापे की समस्या को दूर करने के लिए स्वस्थ जीवन शैली की थीम पर गतिविधियां आयोजित की जाएगी। कुपोषण पखवाड़े के दौरान सेक्टर एवं परियोजना जिला स्तर की गतिविधियां आयोजित की जाएगी, जिसमें पोषण संसाधनों को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। दैनिक गतिविधियों के साथ तिथि वार थीम आधारित केलेंडर जारी किया गया है। सभी जिलों में पखवाड़े के दौरान इसी के आधार पर शिविर आयोजित किए जाएंगे। महिलाओं और धातरी माताओं एवं किशोरी बालिकाओं के लिए पोषण ट्रेकर में हितग्राही मॉडल जारी किया गया है जिसमें समूह चर्चा कुपोषित बच्चों की जांच एनिमियां जागरूकता शिविर लगेंगे। सभी कलेक्टरों को निर्देशित किया गया है कि 8 अप्रैल को पखवाड़े की शुरुआत स्थानी प्रतिनिधियों की मौजूदगी के रूप में बड़े आयोजन किए जाए एवं जन सामान्य पोषण की शपथ दिलाई जाए।

उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का लोकार्पण

बेहतर स्वास्थ्य सेवा के लिये राज्य सरकार प्रतिबद्धः उदय प्रताप सिंह

विजय मत, भोपाल

स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ देने के लिये राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। मंत्री सिंह नरसिंहपुर जिले के विकासखण्ड साईंखेड़ा के अंतर्गत आने वाले ग्राम डुंगरिया में 65 लाख रुपये लागत से नव-निर्मित उप स्वास्थ्य केन्द्र और सीएचओ आवासीय भवन के लोकार्पण के बाद जन-समुदाय को संबोधित कर रहे थे। मंत्री सिंह ने कहा कि इस स्वास्थ्य केन्द्र में मरीजों की बीपी, शुगर की जाँच, गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण और टीकाकरण किया जा सकेगा। मरीजों को यहाँ निःशुल्क दवाइयाँ उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने ग्रामीणों को आयुष्मान कार्ड के महत्व के बारे में बताया। जल गंगा संवर्धन अभियान की चर्चा करते हुए सिंह ने कहा कि इस महत्वपूर्ण कार्य में जिले में जन-भागीदारी अधिक से अधिक हो, इसके लिये सभी के प्रयास की जरूरत है। उन्होंने करीब 3 करोड़ 75 लाख रुपये लागत के पनागर से डुंगरिया मार्ग का भूमि-पूजन भी किया।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग पर प्रशिक्षण

भोपाल। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल द्वारा कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से 7 से 9 अप्रैल तक 3 दिवसीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग पर आधारित फसल उपज मॉडलिंग प्रशिक्षण का आयोजन विज्ञान भवन भोपाल मे किया जा रहा है। प्रशिक्षण में मध्यप्रदेश समेत देश के विभिन्न राज्यों के लगभग 100 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र में तकनीकि विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग तकनीकि का प्रचलन बढ़ाना है7 इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) मॉडलों जैसे (SVM, Random Forest, Neural Network, CNN, XGB) तथा डीप लर्निंग तकनीकों पर, राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, इसरो, हैदराबाद, मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल एवं महालनोबिस राष्ट्रीय फसल पूर्वानुमान केंद्र, नई दिल्ली के विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया जायेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग आधारित फसल उपज मॉडलिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों को रिमोट सेंसिंग तकनीकि का उपयोग करके सटीक फसल उपज अनुमान के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

शिवराज सिंह ने की विजयासन मां की पूजा बेटों-बहुओं और पत्नी के साथ पहुंचे मंदिर

विजय मत, ब्यूरो, सीहोर

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सपरिवार सलकनपुर पहुंचकर मां विजयासन देवी की विधिवत पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने देश और प्रदेश की जनता के कल्याण, समृद्धि और सुख-शांति की प्रार्थना की। उन्होंने दुर्गाष्टमी पर विधि-विधान से माता का पूजन किया। शिवराज के साथ उनकी पत्नी साधना सिंह, दोनों बेटे कुणाल-कार्तिकेय और उनकी बहुएं भी मौजूद थीं। यह पहली बार है जब दोनों बेटों की शादी के बाद मंत्री चौहान परिवार सहित सलकनपुर पहुंचे। बता दें कि शिवराज सिंह चौहान हर साल दुर्गाष्टमी के अवसर पर माता विजयासन के दरबार में पहुंच कर पूजा-अर्चना करते हैं। हर साल की तरह इस साल भी नवरात्रि के पावन अवसर पर शहर के विश्रामघाट स्थित मरीह माता मंदिर में आस्था और उत्साह के साथ पर्व मनाया जा रहा है।

पाँच वर्ष की योजना के लिये 750 करोड़ रूपये का प्रावधान

हरित विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिये मुख्यमंत्री नगरीय विकास योजना

विजय मत, भोपाल

नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने प्रदेश के नगरीय क्षेत्र में हरित स्थान विकास और सौन्दर्यपरक पर्यावरण के लिये मुख्यमंत्री नगर विकास योजना के क्रियान्वयन का निर्णय लिया है। पाँच वर्ष की इस योजना में वर्ष 2028-29 तक के लिये 750 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। यह योजना राज्य सरकार द्वारा अपने वित्तीय संसाधनों से संचालित करेगी।

विभाग द्वारा प्रत्येक नगर वन के विकास के लिये अधिकतम 2 करोड़ 50 लाख रूपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जायेगी। योजना में न्यूनतम क्षेत्रफल प्रति एकड़ 10 लाख रूपये नगर वन के सृजन के लिये नगरीय निकायों को अनुदान स्वरूप दिये जाएंगे। योजना के संबंध में नगरीय निकायों को निर्धारित प्रावधान के अनुसार प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिये गये है।

प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों में जन-भागीदारी से नागरिकों की सुविधा के लिये अद्योसंरचना विकास के लिये ÷मुख्यमंत्री जन-सहभागिता निर्माण'' योजना चलाने का भी निर्णय लिया है। योजना में 150 करोड़ रूपये प्रति वर्ष के मान से 5 वर्षों के लिये 750 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। योजना में प्रतिवर्ष नगरपालिक निगमों के लिये 5 करोड़ रूपये, नगरपालिकाओं को एक करोड़ रूपये और नगर परिषदों को 25 लाख रूपये का अनुदान दिया जाएगा। जन-भागीदारी एवं राज्य शासन की आर्थिक सहायता का अनुपात समान रूप से 50-50 प्रतिशत रहेगा। योजना में नगरीय क्षेत्र के मोहल्लों में सीमेंट- कांक्रिट निर्माण, सीवरेज की उचित व्यवस्था के साथ कचरे के निपटान की उचित व्यवस्था को वरीयता दी जाएगी। योजना का क्रियान्वयन वर्ष 2028-29 तक किया जाएगा। प्रदेश में नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने शासकीय वाहनों को 80 प्रतिशत तक इलेक्ट्रिक वाहनों में परिवर्तित करने का कार्यक्रम बनाया है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस आज - मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य जागरूकता के लिए होंगे आयोजन

विजय मत, भोपाल

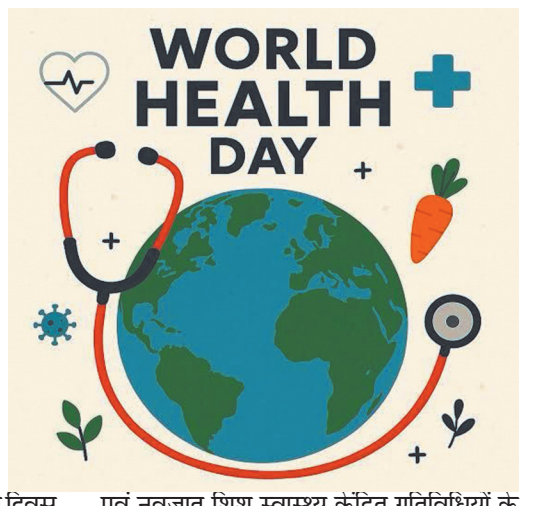

विश्व स्वास्थ्य दिवस 07 अप्रैल को मनाया जा रहा है। इस अवसर पर सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मातृ एवं नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के लिए परामर्श एवं परिचर्चा सत्रों का आयोजन भी किया जाएगा। साथ ही हेल्थ स्क्रीनिंग कैंप भी आयोजित होंगे। इस वर्ष यह दिवस "Healthy Beginnings, Hopeful Futures" की थीम पर मनाया जा रहा है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का संविधान 7 अप्रैल 1948 को लागू हुआ था। इसी उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष इस दिन को विश्व स्वास्थ्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि इस वर्ष स्वास्थ्य दिवस के आयोजन मातृ एवं नवजात शिशु स्वास्थ्य केंद्रित गतिविधियों के अनुरूप किए जा रहे हैं। मातृ एवं नवजात शिशुओं की मृत्यु न्यूनतम करना शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है।

खास-खबर | स्वयंसेवी संस्थाओं की भी बढ़ रही है भागीदारी

जल संरक्षण के कार्यों में समाज के प्रत्येक वर्ग का मिल रहा है सहयोग

विजय मत, भोपाल

प्रदेश में 30 मार्च से शुरू किये गये जल गंगा संवर्धन अभियान को अब समाज के प्रत्येक वर्ग का सहयोग मिल रहा है। अभियान के जरिये कुओं, नदियों, तालाबों, बावड़ियों के साथ स्टॉप डेम के आसपास साफ-सफाई और गहरीकरण के कार्य को प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। जन-भागीदारी के कार्यों में प्रशासनिक अमला भी कँधे से कँधा मिलाकर सहयोग कर रहा है।

छिंदवाड़ा में कलेक्टर शीलेंद्र सिंह के निर्देशन में जन-अभियान परिषद ने छोटा तालाब के कुण्ड की साफ-सफाई का कार्य शुरू किया। कार्य में नगर निगम के स्वच्छता ब्रॉण्ड एम्बेसडर विनोद तिवारी, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों और वॉलेंटियर्स ने श्रमदान किया। कुण्ड में पॉलिथीन और बेकार सामग्री को हटाया गया। सफाई कार्य के दौरान नागरिकों को शहर के खूबसूरत छोटे तालाब को साफ रखने का संकल्प दिलाया गया। जन-अभियान परिषद के जिला समन्वयक अखिलेश जैन ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक निरंतर जारी रहेगा। परिषद के सहयोग से जिलेभर में नुक्कड़ नाटक एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिये जन-सामान्य में जल-स्रोतों को साफ रखने के प्रति जन-जागरूकता लायी जायेगी।

देवास जिले में कलेक्टर ऋतुराज सिंह और जिला पंचायत सीईओ हिमांशु प्रजापति की देख-रेख में जल गंगा संवर्धन अभियान में जल-स्रोतों की सफाई का कार्य हाथ में लिया गया है। ग्राम पंचायत ननासा में तालाब के गहरीकरण का कार्य किया गया। बागली विकासखण्ड की ग्राम पंचायत हैदरपुर में जन-सहयोग से नदी-नालों के गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है। जन-अभियान परिषद के कार्यकर्ताओं ने धार जिले की ग्राम पंचायत तीसगाँव में प्राचीन बावड़ी की साफ-सफाई कर जन-सामान्य को स्वच्छता और जल संरक्षण का संदेश दिया। कार्यकर्ताओं ने श्रमदान के दौरान ÷स्वच्छ परिवेश, जुटेगा सारा देश'' के नारे लगाये। ग्रामीण क्षेत्रों में जल-स्रोतों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ी है। शहडोल जिले में जल के संरक्षण और जल को सहेजने के लिये 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जिले की ग्राम पंचायत पकरिया में विधायक जय सिंह मरावी के नेतृत्व में जन-जागरूकता का कार्यक्रम हुआ।

दिग्विजय सिंह पर रामेश्वर शर्मा का हमला, बोले-

राम का चरित्र नहीं तो राम का सदाचार कैसे आएगा

विजय मत, भोपाल

रामनवमी के अवसर पर मध्य प्रदेश में सियासी बयानबाजी का पारा भी चढ़ गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यंत्री दिग्विजय सिंह के रामनवमी पर शुभ्चकामनाएं देने के संदेश पर भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने पलटवार किया है। दरअसल दिग्विजय सिंह ने रामनवमी पर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर देशवासियों को रामनवमी और दुर्गा नवमी की शुभकामनाएं दी। उन्होंने लिखा कि भगवान राम के आदर्शों को जीवन में अपनाने की बात की। इस पर भाजपा नेता और विधायक रामेश्वर शर्मा ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति में राम का चरित्र नहीं है, तो वह राम के सदाचार को कैसे अपना सकता है। उन्होंने दिग्विजय सिंह से पूछा कि यदि वे राम के चरित्र को स्वीकार नहीं करते तो राम का सदाचार उनके जीवन में कैसे आएगा। रामेश्वर शर्मा ने कहा, राम मंदिर से लेकर संगम स्नान तक कांग्रेस ने हमेशा हिंदू विरोधी रवैया अपनाया है। उन्होंने आगे कहा कि दिग्विजय सिंह को राम के चरित्र की सही समझ के लिए अयोध्या जाना चाहिए और वहां राम की जन्मभूमि पर माथा टेकना चाहिए। सरयू नदी में डूबकी लगाना चाहिए। शर्मा ने यह भी कहा कि कांग्रेस को भाजपा की आलोचना करने का अधिकार है, लेकिन राम का विरोध करने से राम का सदाचार कैसे आएगा। इसको लाने के लिए दिग्विजय सिंह और पूरी कांग्रेस को लेकर जाना चाहिए और भगवान राम के आगे माथा टेकना चाहिए।

यूज इन शॉर्ट

म प्र शिक्षक संघ कार्यालय का हुआ उद्घाटन, लाल जी तिवारी एवं राजन सिंह हुए सम्मिलित

शहडोल। मध्यप्रदेश शासन द्वारा मान्यता प्राप्त संगठन म प्र शिक्षक संघ जिसकी स्थापना 1970मे राज्य स्तर पर 1884पंजीकरण संख्या में पंजीकृत है जो प्राथमिक स्तर से विश्व विद्यालय स्तर तक के शासकीय एवं अशासकीय शिक्षकों का एक मात्र शिक्षक संघ है जिसका प्रान्तीय कार्यालय शिवाजी नगर भोपाल में स्थित है वर्तमान में डा क्षत्रवीर सिंह राठौर प्रान्ताध्यक्ष हैं
वर्तमान में म प्र शिक्षक संघ राज्य का सबसे सशक्त संगठनों में से एक नामचीन संगठन है म प्र शिक्षक संघ की ब्लाक एवं तहसील इकाई गोहपारू जिला शहडोल किसी पहचान का मोहताज नहीं है संभाग भर में एक मात्र गोहपारू ब्लाक ही एक ऐसा ब्लाक है जहां वर्ष 2021 एवं 2025 पदावधि में ब्लाक अध्यक्ष का निर्वाचन ,मतदान प्रणाली द्वारा अतिसंवेदनशील रूप में संपन्न हुआ इससे सिद्ध होता है कि संगठन की गतिविधियां अत्यंत सक्रिय रहती हैं उसी सक्रियता के परिणामस्वरूप महेश प्रसाद द्विवेदी रिटायर्ड शिक्षक पूर्व ब्लाक अध्यक्ष गोहपारू के संरक्षण , प्रेरणा एवं निर्देशन तथा वर्तमान युवा ब्लाक अध्यक्ष अमरबहादुर सिंह एवं बालेन्द्र कुमार मिश्र तहसील अध्यक्ष के नेतृत्व एवं पूरी उत्साही टीम के सहयोग से शिक्षक संघ ब्लाक तहसील गोहपारू का कार्यालय श्री मती रमा शर्मा पूर्व ब्लाक उपाध्यक्ष के मकान में06/04/2025रामनवमी महापर्व के शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि सेवा निवृत्त पूर्व कार्यवाहक जिला अध्यक्ष,राजन सिंह, वर्तमान जिला अध्यक्ष लाल जी तिवारी,बी आर सी समन्वयक जैसिंहनगर रामनारायण विश्वकर्मा, एवं राजेन्द्र प्रसाद शर्मा जी के विशिष्ट आतिथ्य में पूजा अर्चना, राम रक्षा स्तोत्र पाठ एवं संगीत मय हनुमान चालीसा पाठ कर स्थापित किया गया कार्यालय उद्घाटन के समय ब्लाक के सह संरक्षक महेन्द्र प्रसाद पाठक, जिला उपाध्यक्ष रामावतार प्रजापति, जिला सह सचिव शान्ती सिंह परिहार, तहसील कोषाध्यक्ष शिवशंकर सिंह, पूर्व तहसील अध्यक्ष रामधनी सिंह, ब्लाक सचिव अबुल कलाम सिद्दीकी, कोषाध्यक्ष बद्रीविशाल द्विवेदी, सदस्य,मकल सिंह, प्रदीप सिंह, महेन्द्र सिंह, राम मनोहर सिंह, लाल सिंह,बेसाहू लाल बैगा, रामदयाल प्रजापति,कुशल सिंह तथा पूर्व ब्लाक उपाध्यक्ष श्रीमती रमा शर्मा सहित श्री मती गंगा देवी शुक्ल, श्री मती कल्पना चतुर्वेदी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा कार्यालय स्थापित होने को एक ऐतिहासिक कदम बताते हुए संगठन की उत्कृष्ट प्रदर्शन का द्योतक बताया जो संभाग शहडोल के लिए अद्वितीय है।

बुढार पुलिस ने की जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही

शहडोल। पुलिस अधीक्षक शहडोल द्वारा नशे एवं सट्टा/जुआ के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु सभी थाना/चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। जिसके तारतम्य में लगातार कार्यवाही किया जा रहा है। बुढ़ार थाना अंतर्गत कस्बा भ्रमण के दौरान मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम धनपुरा में कुछ व्यक्ति तास के पत्तों से हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे है। सूचना पर बुढार पुलिस द्वारा उक्त सूचना स्थान पर दबिश देकर आरोपियों टेकीदास वर्मा पिता रामखिलावन वर्मा उम्र 36 वर्ष, अर्जुन ढीमर पिता स्व0 मोहन ढीमर उम्र 38 वर्ष एवं द्वारका वर्मा पिता अशोक वर्मा उम्र 22 वर्ष निवासी छोट धनपुरी के कब्जे से तास के 52 पत्ते एवं 1,260 रूपये नगदी जब्त किया गया। पुलिस द्वारा सभी आरोपियों के विरूद्ध जुआ एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बुढार के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक धर्मेन्द्र सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

अपर कमिश्नर और अपर कलेक्टर ने चपरा परिवार का पट्टा निरस्त करने दिया था आदेश पर नहीं हुआ अमल

किरन स्ट्रीट शासकीय नजूल भूमि एवं पौराणिक बावली में अवैध अतिक्रमण का मामला गरमाया

विजय मत, शहडोल।

किरण टॉकीज के बगल में शासकीय नजूल भूमि एवं पौराणिक बावली में चपरा परिवार द्वारा कथित रूप से अवैध अतिक्रमण किए जाने के विरोध में स्थानीय नागरिकों द्वारा 5 अप्रैल से क्रमिक अनशन प्रारंभ कर दिया गया है।नागरिकों की मांग है कि अपर कलेक्टर द्वारा वर्ष 2007 में तथा अपर आयुक्त संभाग शहडोल द्वारा वर्ष 2014 में दिए गए आदेश का क्रियान्वयन कराया जाकर ग्राम भूइबांध खसरा नंबर 72 में स्थित सार्वजनिक मैदान को नजूल शासकीय भूमि दर्ज कराया जाकर अवैध अतिक्रमण हटाया जाए इसके अलावा पौराणिक बावली को उसके पुराने स्वरूप में लाकर शासन की मनसा अनुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पुनरुद्धार कराया जाए।

लीज पर मिली थी जमीन

इस मामले में नागरिकों की तरफ से अधिवक्ता एसपी सिंह ने विजय मत को बताया कि वर्ष 1995 - 96 में नजूल जमीन की लीज का आवेदन चपरा परिवार ने किया था और लीज स्वीकृत होने पर उन्हें पत्ता मिल गया था।वर्ष 2005-06 में नागरिकों की शिकायत वर्ष 2007 में अपर कलेक्टर मैं सुनवाई करके पट्टा निरस्त कर दिया। फिर चपरा परिवार अपर कमिश्नर न्यायालय में निगरानी में चला गया।मामले की सुनवाई करते हुए अपर कमिश्नर द्वारा वर्ष 2014 में प्रकरण खारिज कर दिया। अपर कमिश्नर द्वारा अपने आदेश में लिखा गया था कि शासकीय भूमि दर्ज किया जाए परंतु फाइल दबा दी गई और आदेश का पर अमल नहीं हुआ। यही कारण है कि चपरा परिवार का राजस्व रिकॉर्ड में नाम चढ़ा हुआ है। 24 फरवरी 2017 को नागरिकों की तरफ से कलेक्टर कमिश्नर नजूल अधिकारी एवं एसडीएम को नागरिकों की तरफ से सामूहिक आवेदन दिया जाकर अपर कलेक्टर एवं अपर कमिश्नर के न्यायालय के आदेश का क्रियान्वन करने का अनुरोध किया गया है।

प्रशासन ने कार्यवाही नहीं की इसलिए अनशन प्रारंभ हुआ

वरिष्ठ समाजसेवी रंजीत बसाक का कहना है कि पौराणिक खसरा नंबर 72 में स्थित बावली एवं एक एकड़ सार्वजनिक भूमि एवं शासकीय नजूल भूमि पर अतिक्रमण कर लिया गया है जिसकी शिकायत एक माह पूर्व की गई थी परंतु प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई इसलिए धरना प्रदर्शन प्रारंभ किया गया है।

आत्मदाह की दी चेतावनी

किरण स्ट्रीट नवदुर्गा समिति के सदस्य राजेंद्र रजक द्वारा विजय मत से बातचीत करते हुए चेतावनी दी गई है कि यदि प्रशासन द्वारा निष्पक्ष कार्यवाही नहीं की गई और अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो वे आत्मदाह करने के लिए विवश हो जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि जिला प्रशासन सत्ता पार्टी के दबाव में आकर निष्पक्ष कार्यवाही नहीं कर रही है।

इनका कहना है...

इस मामले में मैने तहसीलदार को सीमांकन करने का निर्देश दिया था और मैं छुट्टी में चला गया था अब वापस आया हूं सीमांकन हुआ या नहीं तहसीलदार से बातचीत करने पर ज्ञात होगा।

» अरविंद शाह
एसडीएम सोहागपुर, अनु विभाग शहडोल

भाजपा ने खुद कलेक्टर से की है जांच की मांग:अमिता चपरा

भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष अमिता चपरा का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा खुद कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर मांग की गई है कि अवैध कब्जाधारियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई की जाए और जमीन का सीमांकन कराया जाए। उन्होंने कहा कि इस मामले में राजनीति हो रही है और मेरी छवि को धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है जबकि किरण स्ट्रीट के समीप पौराणिक बावली एवं उससे लगी जमीन पर अतिक्रमण का आरोप जिन लोगों पर लग रहा है उनसे मेरा और मेरे परिवार का कोई लेना देना नहीं है।

सिर मुड़ाते ओले पड़े

एक पुरानी कहावत यहां पर नवनियुक्त भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा पर चरितार्थ होती नजर आ रही है कि सिर मुड़ाते ओले पड़े।अर्थात श्रीमती चपरा के भाजपा जिला अध्यक्ष बनते ही एक ऐसी सार्वजनिक शासकीय नजूल भूमि एवं पौराणिक बावली पर अतिक्रमण करने वालों को संरक्षण देने का आरोप लगने लगा है जहां कई दशकों से नवरात्र में दुर्गा प्रतिमा स्थापित की जाकर नागरिकों द्वारा माता रानी की पूजा अर्चना की जाती रही है।चूंकि अतिक्रमण करने का आरोप एक चपरा परिवार पर लग रहा है इसलिए लोगों का मानना है कि भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा से अतिक्रमणकारियों का नाता रिश्ता है इसलिए उन्हें सत्ता शासन का संरक्षण मिल रहा है। यह बात अलग है कि श्रीमती अमिता इन आरोपों को सिरे से खारिज कर रही हैं।

जय स्तंभ चौक के पास स्थित पांडव प्रतिमा के चारों ओर खड़ी होती हैं ऑटो, बना अवैध ऑटो स्टैंड

अनदेखी का शिकार पांडव प्रतिमा, जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

विजय मत, शहडोल।

जिला मुख्यालय में जहां तहां सरकारी जमीन पर कब्जा देखा जा सकता है। जिसकी जहां मर्जी आती है वहां अपनी दुकान मकान तांन देता है और प्रशासन जानकर भी अनजान बना रहता है। कलेक्टर कार्यालय के पास ही यह हाल है कि कहीं यात्री प्रतीक्षालय अतिक्रमण की चपेट में है तो कहीं चौराहों पर कबाड़ वाहन कब्जा किए हुए हैं। जिला प्रशासन की अनदेखी के चलते आने वाले समय में पूरे शहर में इसी तरह से अतिक्रमण नजर आएगा। बता दें जय स्तंभ चौक जनपद कार्यालय सोहागपुर के पास पांडव प्रतिमा के आसपास ऑटो वालों ने अवैध कब्जा जमा लिया है तथा अवैध तरीके से अपना ऑटो खड़ा कर रहे हैं।

पांडव कालीन प्रतिमा के आसपास ऑटो वालों का कब्जा

शहडोल नगर को सौंदर्य करण प्रदान करने के लिए जय स्तंभ चौक जनपद कार्यालय सोहागपुर के पास पांडव प्रतिमा नगर पालिका द्वारा बनवाई गई थी। जिससे लोगों को शहर सुंदर एवं स्वच्छ नजर आ सके परंतु अब वहां ऑटो वालों ने अवैध कब्जा जमा लिया है तथा शहर के सुंदरता को ग्रहण लग रहे हैं।

खड़ी रहती है कबाड़ वाहन

पांडवों के प्रतिमा के चारों ओर कबाड़ एवं कंडम वाहन भी खड़े रहते हैं जिससे लोगों के दुर्घटना की आशंका के साथ-साथ पांडव कालीन मूर्तियों पर भी ग्रहण लग रहे हैं। वाहनों के कारण मूर्तियां स्पष्ट रूप से लोग नहीं देख पा रहे हैं तथा जिम्मेदारों की गैर जिम्मेदार राणा हरकतों की वजह से मूर्तियां अपनी भव्यता भी खो रही है।

जिम्मेदारों के अनदेखी के कारण प्रतिमा खो रही अपना अस्तित्व

पांडव प्रतिमा शहर की सौंदर्यीकरण की दृष्टि से बनवा तो दिया गया परंतु उसे पर जिम्मेदारों के अनदेखी के कारण प्रतिमा अपना अस्तित्व को रही है।? ना ही रात के समय उसमें आकर्षक एवं सुंदर लाइटिंग की व्यवस्था की गई है, ना ही प्रतिमाओं के आसपास समय-समय में साफ सफाई है, जिससे प्रतिमाओं की भव्यता पर असर पड़ रहा है तथा बाकी कसर ऑटो संचालकों द्वारा पूरा कर दिया जाता है।

शहर के अंदर जगह जगह ऐसा ही है हाल

जिला मुख्यालय में जहां तहां इसी तरह के अतिक्रमण आपको नजर आ जाएंगे। किसी ने तालाब की मेड पर अतिक्रमण कर रखा है तो किसी ने शहर के फुटपाथ पर कब्जा जमा रखा है। कहीं कहीं तो नाले के ऊपर ही दुकान मकान खड़े हुए नजर आते हैं। अगर शहर की सुंदरता को बढ़ाना है तो सड़क किनारे की जमीनों पर से अवैध कब्जे हटवाने होंगे।

दायित्वों के सही निर्वहन के लिए टीम वर्क आवश्यक - जनसंपर्क अधिकारी

विजय मत, शहडोल।

संभागीय जनसम्पर्क कार्यालय शहडोल में पदस्थ सहायक जन संपर्क अधिकारी अरूणेंद्र सिंह को आज उनके जिला जनसम्पर्क कार्यालय उमरिया स्थानान्तरित होने पर संभागीय जनसम्पर्क कार्यालय शहडोल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भावभीनी विदाई दी। विदाई समारोह को सम्बोधित करते हुए जनसंपर्क अधिकारी अरूणेंद्र सिंह ने कहा कि सरकारी दायित्वों के सही निर्वहन के लिए टीम वर्क आवश्यक होता हैं,टीम वर्क के माध्यम से एक दूसरे के विचारों और अनुभवों का आदान-प्रदान करते हैं, जिससे कार्यों की गुणवत्ता और गति दोनों में सुधार होता है। उन्होंने कहा कि मुझे जनसंपर्क कार्यालय शहडोल में कार्य करने का बहुत कम समय मिला लेकिन जितना भी समय मिला और जो भी कार्य किया उसमें सभी पत्रकारों, अधिकारी एवं कर्मचारियों का बेहतर सहयोग मिला यह मुझे हमेशा याद रहेगा। जनसम्पर्क कार्यालय के सोशल मीडिया हैंडलर ओम जायसवाल ने कहा कि स्थानांतरित सहायक जनसम्पर्क अधिकारी अरूणेंद्र सिंह एक सरल और सहज व्यक्तित्व के धनी के अधिकारी हैं, जिनकी कार्यशैली ने हम सभी को प्रभावित किया तथा सरकारी कार्यों को शांतिपूर्वक कैसे निर्वहन करें यह गूर सिखने को मिला। साथ ही फोटोग्राफर रामबली यादव, रामावतार कोरी ने भी विदाई समारोह को सम्बोधित किया।

कार्यक्रम

राम, लक्ष्मण एवं हनुमान की झांकी के साथ विशाल जवारा जुलूस ने नगर का किया भ्रमण

राम नवमी पर नगर के साथ ग्रामीण अंचलों में हुए विविध धार्मिक आयोजन

विजय मत, शहडोल।

चैत्र नवरात्र के अंतिम दिन रामनवमी पर मां आदि शक्ति जगदम्बे के साथ ही भगवान राम की विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। मंदिरों में भगवान राम का जन्मोत्सव बड़े धूम-धाम से मनाया गया। सुबह से ही रामनवमी को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह देखने मिला। मंदिर में जल चढ़ाने के साथ ही श्रद्धालुओं ने हवन पूजन कर परिवार की सुख समृद्धि की कामना की।

मंदिरों में कन्या पूजन के साथ ही भंडारे का आयोजन

नवरात्र के अंतिम दिन मंदिरों में कन्या पूजन के साथ ही भंडारे का आयोजन किया गया। कन्याओं की विधि विधान से पूजा अर्चना के बाद रुचिकर भोज कराया गया, साथ ही उन्हे उपहार भेंट किए गए। नगर के मोहन राम तालाब मंदिर व राज जानकी मंदिर में विविध धार्मिक आयोजन हुए। यहां भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान राम के दर्शन कर पूजा अर्चना की। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ देखने मिली।

जगह-जगह भंडारे का किया गया आयोजन

रामनवमी के अवसर पर नगर के मंदिरो के साथ ही सार्वजनिक स्थलों में भण्डारे का आयोजन किया गया। लोगो ने बड़े ही उत्साह के साथ भण्डारे में प्रसाद ग्रहण किया। उल्लेखनीय है चैत्र नवरात्र को लेकर पंचमी के दिन से ही शहर के साथ ही कस्बाई क्षेत्रों में भंडारे का आयोजन प्रारंभ हो गया था। कहीं पूड़ी सब्जी तो कहीं खिचड़ी का प्रसाद वितरित किया गया।

राम जानकी मंदिर में मना प्राकट्य पर्व

नगर के राम जानकी मंदिर में रामनवमी के अवसर पर प्राकट्य पर्व मनाया गया। इस अवसर पर सुबह मंदिर में विधि विधान से भगवान राम की पूजा अर्चना की गई। वहीं शाम 7 बजे से मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग के तत्वावधान में प्राकट्य पर्व मनाया गया। इस अवसर पर विविध कला अनुशासन के माध्यम से भगवान श्रीराम के जीवन की छवियां प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में श्रीहनुमान लीला नाट्य की प्रस्तुति दी गई, जिसमें संकट मोहन महाबली हनुमान की लीलाओं की प्रस्तुतियां आकर्षण का केन्द्र रही।

निकले जवारा जुलूस

चैत्र नवरात्र के अवसर पर मंदिरो में बोए गए जवारों का रविवार को विधि विधान से पूजा अर्चना के बाद नदी व तालाब में विसर्जन किया गया। इस अवसर पर जगह-जगह से जवारा जुलूस निकाले गए। जुलूस में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

ब्योहारी नेहरू बाल उद्यान के पास विशाल भंडारे का आयोजन

ब्योहारी में रामनवमीं के अवसर पर स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे खुला भंडारा किया, जिसमें हनुमान मंदिर लक्ष्मी नारायण मंदिर सहित नेहरु बाल उद्यान के बगल में आसपास के लोगों ने राहगीरों को दोपहर 02 बजे से खिचड़ा का प्रसाद वितरित किया। जिससे श्रद्धालु काफी उत्साहित रहे।

भाजपा कार्यालय में धूमधाम के साथ मनाया गया भाजपा का 46 वां स्थापना दिवस

विजय मत, शहडोल।

भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस अवसर पर रविवार को जिला भाजपा कार्यालय सहित जिलेभर में हर्षोउल्लास व उमंग के साथ मनाया गया। भाजपा जिला कार्यालय पर जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा एवं अतिथियो ने भाजपा का झंडा फहराया।

स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष व अतिथियों द्वारा नवीन भाजपा कार्यालय भवन का नामकरण किया गया भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा ने बताया कि भाजपा के सभी वरिष्ठ जनों से चर्चा कर कार्यालय भवन का नामकरण किया गया है अब ÷अटल निलय÷ के नाम से जाना जाएगा शहडोल जिला भाजपा कार्यालय

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शहडोल संभाग के पूर्व संगठन मंत्री श्री जितेंद्र लटोरिया. भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा, पूर्व जिला अध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह, अनुपम अनुराग अवस्थी, कमल प्रताप सिंह, पूर्व विधायक प्रमिला सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता राजेंद्र भारती, गिरधर प्रताप सिंह , प्रकाश जगवानी, राजेश्वर उदानियां, कैलाश विशनानी, भूपेंद्र मिश्रा, विजय गुप्ता, राकेश सोनी, नगर अध्यक्ष प्रियम त्रिपाठी ,सूर्यकांत मिश्रा दिनेश दीक्षित, रवीकरण त्रिपाठी, अमित मिश्रा, रवींद्र वर्मा, अमित गुप्ता बंटी, ऋषिराज गुप्ता, विजय जसवानी, पिंकू शुक्ला,धर्मेंद्र शुक्ला, निभा गुप्ता ,रेखा तिवारी ,राखी शर्मा, कुंतला दीक्षित,सहित भारतीय जनता पार्टी के समस्त वरिष्ठ ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता पदाधिकारी गण इस अवसर पर उपस्थित रहे।

जिला मीडिया प्रभारी विनय केवट ने बताया कि इस अवसर पर भाजपा कार्यालय में भाजपा के इतिहास पर भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसका भाजपा जिला अध्यक्ष एवं अतिथियो ने फीता काट कर शुभारम्भ कर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मंचासीन अतिथियों द्वारा ने भारत माता, पण्डित दीनदयाल उपाध्याय व डॉक्टर श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र का पूजन अर्चन कर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

आईपीएल में मुम्बई और आरसीबी में आज होगा मुकाबला

मुंबई, एजेंसी

मुंबई इंडियंस की टीम सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने घरेलू मैदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से मुकाबला करेगी। मुम्बई का लक्ष्य इस मैच में जीत के साथ ही लीग में वापसी करना रहेगा। उसे अभी तक चार में से तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। टीम को स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा

शाम 7:30 बजे से होगा मुकाबला

के अलावा और तिलक वर्मा के खराब प्रदर्शन का खामियाजा भी भुगतना पड़ा है। मुंबई की बल्लेबाजी अभी तक सूर्यकुमार पर टिक है केलव सूर्या ने चार मैच में 177 रन बनाए हैं। सूर्यकुमार ने लखनऊ के खिलाफ अर्धशतक लगाया था पर इसके बाद भी टीम जीत नहीं पायी क्योंकि अन्य बल्लेबाज रन नहीं बना पाये। लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ कप्तान हार्दिक पांड्या को छोड़कर उसके अन्य गेंदबाज विफल रहे थे। पांड्या ने ही केवल पांच विकेट लिए थे। मुंबई इंडियंस के लिए राहत की बात ये है कि उसके प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टीम से जुड़ गए हैं हांलाकि वह खेल पाते हैं या नहीं ये अभी तय नहीं है। ऐसे में मुंबई की टीम को अगर जीत हासिल करनी है तो उसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

मुंबई इंडियंस-हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, रॉबिन मिंज, रयान रिकेल्टन, श्रीजीत कृष्णन, बेवोन जैकब्स, तिलक वर्मा, नमन धीर, विल जैक्स, मिशेल सेंटनर, राज अंगद बावा, विग्नेश पुथुर, कॉर्बिन बॉश, ट्रेंट बोल्ट, कर्ण शर्मा, दीपक चाहर, अश्विनी कुमार, रीस टॉपले, वीएस पेनमेट्सा, अर्जुन तेंदुलकर, मुजीब उर रहमान, जसप्रीत बुमराह।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु-रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, फिल साल्ट, जितेश शर्मा, देवदत्त पडिक्कल, स्वास्तिक छिकारा, लियाम लिविंगस्टोन, क्रुणाल पंड्या, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, सुयश शर्मा, भुवनेश्वर कुमार, नुवान तुषारा, लुंगी एनगिडी, अभिनंदन सिंह, मोहित राठी, यश दयाल।

कोच फ्लेमिंग बोले, धोनी से भविष्य को लेकर सवाल नहीं करता

चेन्नई, एजेंसी

आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा है कि कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अभी अच्छे फार्म में हैं, इसलिए उनकी भविष्य को लेकर क्या योजनाएं हैं और वह कब संन्यास लेंगे। इसकी मुझे कोई जानकारी नहीं है। फ्लेमिंग ने हाल में कहा था कि धोनी के घुटने अभी पहले जैसे नहीं हैं, इसलिए वह निचले क्रम में उतर रहे हैं। इसके बाद से ही धोनी के संन्यास को लेकर अटकलें शुरु हो गयीं थीं। इसी को लेकर जब कोच से पूछा गया कि धोनी कब संन्यास ले रहे हैं ? तो फ्लेमिंग ने कहा कि मुझे नहीं पता, मैं बस उनके साथ काम करने का आनंद ले रहा हूं। वह अभी भी काफी फिट हैं और इसलिए मैं उनसे भविष्य के बारे में सवाल भी नहीं करता। फ्लेमिंग के इस बयान से धोनी के प्रशंसकों को भी राहत मिली है। धोनी अभी 43 साल के हो गये हैं ओर उनके प्रदर्शन में भी संकेत दिखने लगे हैं हालांकि इसके बाद भी धोनी ने अपनी फिटनेस और खेल के प्रति जुनून से सभी को हैरान किया हुआ है। इस उम्र में भी उनकी विकेटकीपर उच्च स्तर की है।

धोनी की टीम में मौजूदगी से भी युवा खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ता है। वह मैदान पर हों या बाहर, उनकी मौजूदगी ही टीम का हौसला बढ़ाती है। वह बहुत समझदारी से अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल करते हैं। धोनी ने साल 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था पर वह आईपीएल में चेन्नई की ओर से खेलते रहे हैं। पिछले कुछ सत्र में उनके अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए उनके प्रशंसकों को उम्मीद है कि वह कम से कम एक और सत्र खेलेंगे।

बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने की तारीफ बोले-

इस युग में द्रविड़ सर जैसे खिलाड़ी का साथ होना सौभाग्य की बात

मुंबई, एजेंसी

भारत के पूर्व मुख्य कोच और राजस्थान रॉयल्स के मेंटर (मार्गदर्शक) राहुल द्रविड़ की देखरेख में खेल रहे बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा कि इस युग में उनके जैसा सहानुभूति के साथ देखभाल करने वाला इंसान का साथ मिलना सौभाग्य की बात है। भारतीय टेस्ट टीम के मुख्य सलामी बल्लेबाज जायसवाल राजस्थान रॉयल्स के प्रमुख खिलाड़ी हैं। उन्होंने अपने करियर पर द्रविड़ के प्रभाव के बारे में पूर्व भारतीय दिग्गज को बेहतरीन इंसान और खिलाड़ी करार दिया।

जायसवाल ने कहा, 'वह एक बेहतरीन इंसान हैं। इस युग में द्रविड़ सर जैसे खिलाड़ी का होना सौभाग्य की बात है। जायसवाल ने बताया कि द्रविड़ एक इंसान के तौर पर किस तरह दूसरों से अलग हैं। 'मुझे लगता है कि वह एक बेहतरीन 'लीडर है। वे एक शानदार सहायक और देखभाल करने के साथ हमेशा सभी का ख्याल रखने वाले इंसान है। वह खिलाड़ियों में आत्मविश्वास भरते हैं, उन्हें भरोसा दिलाते हैं कि वे सही जगह पर हैं। वह सही मार्गदर्शन देते हैं, जो व्यक्तिगत करियर और पूरी टीम दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। द्रविड़ के साथ कोई भी बातचीत सीखने का मौका है। जायसवाल ने कहा, उनके करीब रहना सीखने का मौका है। यह सीख न केवल क्रिकेट के बारे में, बल्कि मैदान के बाहर उनके व्यवहार के बारे में भी है। उन्होंने वर्षों से इतनी शालीनता और संयम दिखाया है।

आईपीएल अंक तालिका में शीर्ष पर है दिल्ली शीर्ष , सनराइजर्स अंतिम स्थान पर

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स ने अभी तक अपने सभी मैच जीते हैं और वह 6 अंक लेकर आईपीएल अंक तालिका में पहले स्थान पर है। वहीं चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की टीम लगातार तीन मैच हारी है और वह अंकतालिका में 9वें नंबर पर खिसक गई है। वहीं पंजाब किंग्स की लगातार दो जीत के बाद पहली हार मिली है। इस हार से पंजाब की टीम अंक तालिका में चौथे नंबर पर फिसल गई है। वहीं राजस्थान रॉयल्स सातवें नंबर पर बनी हुई है। आईपीएल अंक तालिका में दिल्ली कैपिटल्स पहले और सनराइजर्स हैदराबाद अंतिम 10वें नंबर पर है। वहीं दूसरे नंबर पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरू है। मुंबई इंडियंस 8वें नंबर पर है। मुंबई इंडियंस की टीम टूर्नामेंट में 3 मैच हारी है। मुंबई के अलावा चेन्नई सुपरकिंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद की टीमें भी 3-3 मैच हारी हैं। आईपीएल 2025 की ऑरेंज और पर्पल कैप की दौड़ में अधिकतर विदेशी खिलाड़ी हैं। इसमें लखनऊ सुपरजायंट्स की ओर से खेल रहे वेस्टइंडीज के निकलस पूरन ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे अधिक 201 रन बनाकर पहले नंबर हैं। वहीं भारत के साई सुदर्शन 186 रन व ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श 184 रन बनाकर तीसरे नंबर पर हैं। इसके अलावा पर्पल कैप की बात करें तो अफगानिस्तान के नूर अहमद 10 विकेट लेकर सबसे अधिक विकेट रेस में सबसे आगे हैं। ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क 9 व भारत के हार्दिक पंड्या 8 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं।

रोहित और मैं एक दूसरे पर काफी भरोसा करते हैं: विराट

मुंबई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट ने कहा है कि सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा से उनका काफी अच्छा रिश्ता रहा है। दोनो ही एकदूसरे पर काफी भरोसा करते हैं और अब तक के करियर में उनका लक्ष्य टीम की जीत के लिए योगदार देना रहा है। रहा है क्योंकि उन्होंने टीम के लिए मैच जीतने के काम को करने के लिए एक-दूसरे पर भरोसा किया है। विराट ने आईपीएल में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच से पहले कहा, , जब आप इतने लंबे समय तक किसी के साथ खेलते हैं और आप खेल के बारे में विचार साझा करते हैं तो दोस्ती होना स्वाभाविक बात है। शुरुआत में, आप एक-दूसरे से सीख रहे होते है, आप शायद एक ही समय में अपने करियर में आगे बढ़ रहे होते हैं, और आप सभी तरह के सवाल साझा करते हैं। हमने टीम के नेतृत्व के मामले में बहुत करीब से काम किया है। इसलिए हमेशा विचारों पर बात होती थी और हम उस विशेष स्थिति या उस विशेष खेल की मांग को लेकर ही खेलते थे।

इस दोनो ने ही भरतीय टीम के लिए कई मैच जीते हैं और 2013 और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने मिलकर काम किया। इसके अलावा 2024 पुरुष टी20 विश्व कप जीतने के साथ ही टी20 प्रारुप से संन्यास लिया। उन्होंने कहा, एक विश्वास कारक है जो टीम के लिए काम करने के लिए एक-दूसरे पर भरोसा करने को लेकर बनता है। हमने भारत के लिए इतने लंबे समय तक एक साथ खेलने का आनंद लिया है। हम अपने करियर को इतना लंबा बनाने में सक्षम थे क्योंकि जब हम युवा थे, जैसा कि मैंने कहा, यह पक्का नहीं था कि हम भारत के लिए 15 साल तक खेलने जा रहे हैं। कोहली ने अंत में कहा, यह यात्रा बहुत लंबी और लगातार जारी रही। इसलिए, मैं उन सभी यादों और पलों के लिए बहुत-बहुत आभारी और बहुत खुश हूं, जिन्हें हमने साझा किया है। विराट के इस बयान से उनक बातों पर भी विराम लग गया जिसमें कहा जाता रहा है कि दोनो के बीच मतभेद रहे हैं।

बिजनेस

कारोबारी धारणा बिगड़ने की वजह से सभी तेल-तिलहनों के दाम में गिरावट देखी गई

बीते सप्ताह तेल-तिलहनों में गिरावट, मूंगफली, सरसों के भाव बढ़े

नई दिल्ली, एजेंसी

बीते सप्ताह विदेशी बाजारों में खाद्य तेलों की कीमतें कम होने तथा 'शुल्क युद्ध' की बढ़ती आशंकाओं के बीच कारोबारी धारणा बिगड़ने की वजह से सभी तेल-तिलहनों के दाम में गिरावट देखी गई और सरसों, मूंगफली एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम नुकसान के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि इससे पिछले सप्ताह जिस कच्चे पामतेल (सीपीओ) का दाम 1,200-1,205 डॉलर प्रति टन था, वह समीक्षाधीन सप्ताह में घटकर 1,160-1,165 डॉलर प्रति टन रह गया। बाजार धारणा बिगड़ने का यह मुख्य कारण रहा। हालांकि, यह दाम जो पहले सोयाबीन से लगभग 100 डॉलर अधिक था वह अब घटने के बाद सोयाबीन से लगभग 60 डॉलर अधिक ही है। हालांकि, जितना पाम, पामोलीन तेल का दाम टूटा है, उतनी गिरावट सोयाबीन में नहीं आई। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपये की गिरावट के साथ 6,200-6,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 450 रुपये की गिरावट के साथ 13,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और

कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश- 40-40 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 2,340-2,440 रुपये और 2,340-2,465 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश- 25-25 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 4,400-4,450 रुपये और 4,100-4,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमश- 425 रुपये, 325 रुपये और 225 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 13,400 रुपये, 13,150 रुपये और 9,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।स मीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 5,700-6,075 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमश-450 रुपये और 55 रुपये की गिरावट के साथ 14,200 रुपये और 2,235-2,535 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 350 रुपये की गिरावट के साथ 12,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 400 रुपये की गिरावट के साथ 14,100 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 350 रुपये की गिरावट के साथ 13,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गिरावट के आम रुख के अनुरूप समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल 375 रुपये की गिरावट के साथ 13,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

यूएसबी-सी चार्जिंग वाली नोवा और नोवा प्रो बाइक्स पेश

नई दिल्ली, एजेंसी

ई-बाइक निर्माता एम्पलेर ने यूएसबी-सी चार्जिंग वाली नोवा और नोवा प्रो बाइक्स पेश की हैं। इन बाइक्स में यूएसबी-सी पोर्ट को फ्रेम में इंटीग्रेट किया गया है, जिससे इन्हें किसी भी लैपटॉप चार्जर या अन्य यूएसबी-सी चार्जिंग डिवाइस से चार्ज किया जा सकता है।

इस पोर्ट के जरिए गैजेट्स को भी चार्ज किया जा सकता है, हालांकि यह सुविधा अभी केवल यूरोप के लिए उपलब्ध है। एम्पलेर की नोवा सीरीज की बाइक्स में 48वी 336 डब्ल्यूएच की इंटीग्रेटेड बैटरी दी गई है, जिसे यूएसबी-सी पीडी 3.1 चार्जर की मदद से महज तीन घंटे में फुल चार्ज किया जा सकता है। आमतौर पर इतनी क्षमता की बैटरी को चार्ज होने में पांच घंटे या उससे ज्यादा का समय लग जाता है, लेकिन नई तकनीक के जरिए यह प्रक्रिया तेज हो गई है। 240 वॉट यूएसबी-सी चार्जर आने से चार्जिंग और भी तेज हो सकती है। कंपनी ने इन बाइक्स को आईकेईए और मेकबुक चार्जर के साथ भी टेस्ट किया है। यदि ग्राहक के पास संगत चार्जर नहीं है, तो एम्पलेर 80 में 140 वॉट यूएसबी-सी पीडी 3.1 चार्जर उपलब्ध कराएगा।

नोवा और नोवा प्रो बाइक्स यूके, ईयू और स्विट्जरलैंड में प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध हैं और इनकी शिपिंग जून 2025 से शुरू होगी। कंपनी ने जर्मनी में सर्विस सेंटर्स और यूरोप में एम्पलेर फ्रेंडली वर्कशॉप्स का एक नेटवर्क तैयार किया है।

ट्रंप के टैरिफ का असर, जेएलआर ने रोका अमेरिका को कारों का निर्यात

- टाटा मोटर्स ने साल 2008 में फोर्ड मोटर्स से जेएलआर का खरीदा था

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के कई देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगा दिया है और इसके साथ ही अप्रैल में कारों पर 25 फीसदी टैरिफ भी लागू हो गया है। इस फैसले के चलते जगुआर लैंड रोवर ने अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट से अमेरिका को कारों का निर्यात रोक दिया है। जगुआर लैंड रोवर के प्रवक्ता ने बताया कि वे अमेरिकी बाजार में नई ट्रेडिंग टर्म की दिशा में काम कर रहे हैं और ब्रिटेन में बदलाव को ध्यान में रखते हुए अमेरिका के लिए कारों का निर्यात रोक दिया है। जगुआर लैंड रोवर के ग्राहकों के लिए यह फैसला एक बड़ा झटका है, क्योंकि यह कंपनी ब्रिटिश प्लांट से अमेरिका में अपनी गाड़ियां निर्यात करती थी। ब्रिटिश वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने साल 2008 में फोर्ड मोटर्स से जेएलआर का खरीदा था और इसके बाद से जगुआर लैंड रोवर की व्यापक मौजूदगी अमेरिकी बाजार में बढ़ती रही थी। उसके प्रवक्ता ने कहा, जगुआर लैंड रोवर के लक्जरी ब्रांडों के लिए अमेरिका एक उत्कृष्ट मार्केट है, और हम अपनी नई ट्रेडिंग टर्म को एड्रेस करने के लिए काम कर रहे हैं। हम अपने बिजनेस पार्टनर्स के साथ काम कर रहे हैं ताकि हम अपनी उद्यमिता को बनाए रख सकें। इस बदलाव के चलते जगुआर लैंड रोवर ने अप्रैल में निर्यात खेप रोकने का फैसला लिया है, जो कि कंपनी के लिए एक व्यापक और महत्वपूर्ण फैसला है। इससे पहले कंपनी ने बताया था कि उसके लक्जरी ब्रांडों की ग्लोबल अपील है और वह बदलती बाजार स्थितियों का सामना करने के लिए तैयार है। जगुआर लैंड रोवर द्वारा यह फैसला भारतीय वाहन उद्योग के लिए भी एक सख्त प्रतिक्रिया है, क्योंकि दुनिया भर में बढ़ते ट्रेडिंग टर्म्स कंपनियों को अपनी व्यवस्थाओं को सहायक बनाने के लिए मजबूर कर रहे हैं। इससे सामाजिक और आर्थिक प्रभाव के बारे में बहस भी बढ़ रही है।

सेंसेक्स की शीर्ष नौ कंपनियों का मार्केट कैप 2.94 लाख करोड़ घटा

- सबसे अधिक नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रही

मुंबई, एजेंसी

पिछले सप्ताह कम कारोबारी सत्रों के दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 2,94,170.16 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रही। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और आईटीसी के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। भारती एयरटेल एकमात्र कंपनी रही, जिसकी बाजार हैसियत बढ़ी है। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 1,10,351.67 करोड़ रुपये घटकर 11,93,769.89 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 95,132.58 करोड़ रुपये घटकर 16,30,244.96 करोड़ रुपये पर और इन्फोसिस का 49,050.04 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 6,03,178.45 करोड़ रुपये पर आ गया। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 14,127.07 करोड़ रुपये घटकर 5,40,588.05 करोड़ रुपये रही। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 9,503.66 करोड़ रुपये घटकर 9,43,264.95 करोड़ रुपये पर आ गया। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 8,800.05 करोड़ रुपये घटकर 13,90,408.68 करोड़ रुपये पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का मूल्यांकन 3,500.89 करोड़ रुपये घटकर 5,27,354.01 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 3,391.35 करोड़ रुपये घटकर 6,85,232.33 करोड़ रुपये रहा। आईटीसी की बाजार हैसियत 312.85 करोड़ रुपये घटकर 5,12,515.78 करोड़ रुपये पर आ गई। इस रुख के विपरीत भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 7,013.59 करोड़ रुपये बढ़कर 9,94,019.51 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमश- एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

एक लीटर पेट्रोल में 73 किमी का माइलेज देती है हीरो बाइक

नई दिल्ली, एजेंसी

अगर आप ऑफिस आने-जाने के लिए फ्यूल एफिशिएंट बाइक की तलाश में हैं, तो हीरो स्प्लेंडर प्लस एक्सटेक 2.0 आपके लिए एक बेहतरीन चॉइस हो सकती है। हीरो मोटोकॉर्प की इस बाइक की दिल्ली में एक्स-शोरूम कीमत 83,571 रुपए है। आरटीओ, इंश्योरेंस और अन्य चार्ज जोड़ने पर इसकी ऑन-रोड कीमत राज्य अनुसार अलग-अलग हो सकती है, लेकिन यह फिर भी 84,000 रुपए से कम में आ सकती है।

हीरो स्प्लेंडर प्लस एक्सटेक 2.0 में 9.8 लीटर का फ्यूल टैंक है और कंपनी का दावा है कि यह बाइक अराई सर्टिफिकेशन के अनुसार एक लीटर पेट्रोल में 73 किलोमीटर का माइलेज देती है। यानी फुल टैंक पर यह बाइक लगभग 715 किलोमीटर तक चल सकती है। हालांकि, असली माइलेज सड़क की स्थिति और राइडिंग स्टाइल पर निर्भर करता है।

इस बाइक में 97.2 सीसी का 4-स्ट्रोक, एयर-कूल्ड सिंगल सिलेंडर इंजन दिया गया है जो पावरफुल परफॉर्मेंस के साथ अच्छी ईंधन दक्षता भी देता है। ब्रेकिंग के लिए फ्रंट और रियर दोनों में ड्रम ब्रेक्स दिए गए हैं। बाइक के फीचर्स भी काफी आधुनिक हैं। इसमें फुल डिजिटल मीटर, रियल टाइम माइलेज इंडिकेटर, इको इंडिकेटर, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ कॉल और एसएमएस अलर्ट, और हजार्ड लाइट जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

35 हजार रुपये तक सस्ती मिल रही मारुति ईको

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी की ईको कार इस महीने खास ऑफर के तहत 35,000 रुपये तक सस्ती मिल रही है। कंपनी इस पर 10,000 रुपये तक का कैश डिस्काउंट और 25,000 रुपये तक का स्क्रैपेज बोनस दे रही है। यह ऑफर 30 अप्रैल 2025 तक ही मान्य है। ईको की एक्स-शोरूम कीमतें फिलहाल 5.44 लाख से 6.70 लाख रुपये तक हैं। हालांकि, कंपनी ने साफ कर दिया है कि मई से कार की कीमतों में 62,000 रुपये तक की बढ़ोतरी की जाएगी। ऐसे में यह ऑफर कार खरीदने वालों के लिए एक अच्छा मौका साबित हो सकता है।

न्यूज इन शॉर्ट

भाजपा स्थापना दिवस पर सांसद बृजमोहन ने फहराया ध्वज, दी शुभकामनाएं

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के 46वें स्थापना दिवस के अवसर पर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सभी कार्यकताओं, समर्थकों एवं देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने अपने सांसद कार्यालय में भाजपा का ध्वज फहराकर स्थापना दिवस का उत्सव मनाया और राष्ट्र सेवा के संकल्प को दोहराया। सांसद अग्रवाल ने कहा कि यह दिन हमें उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाता है। जब भाजपा ने राष्ट्रवाद, सुशासन और विकास के मार्ग पर भारत को आगे ले जाने का संकल्प लिया था। उन्होंने कहा कि ₹सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास₹ के मंत्र के साथ भाजपा ने भारत को वैश्विक मंच पर मजबूत किया है और विकास की रोशनी को अंतिम पंक्ति तक पहुंचाया है। इस अवसर पर उन्होंने सभी से आह्वान किया। कि हम सब मिलकर एक नए भारत के निर्माण हेतु अपने कर्तव्यों का निष्ठा से पालन करें।

स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी में 72 कर्मचारियों को पदोन्नति

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा चतुर्थ और तृतीय श्रेणी के 72 कर्मचारियों के पदोन्नति के आदेश जारी किए गए हैं। मुख्य अभियंता मानव संसाधन आ. म.परियल के आदेश के अनुसार परीक्षण सहायक श्रेणी 2 से परीक्षण सहायक श्रेणी 1 के पद पर 48 कर्मचारियों की , लाइन सहायक श्रेणी 2 से लाइन सहायक श्रेणी 1 के पद पर 22, कार्यालय सहायक 3 से कार्यालय सहायक 2 के पद पर 1 तथा चपरासी से दफ्तरी के पद पर 1 कर्मचारी की पदोन्नति की गई है। सभी पदोन्नत कर्मचारियों को निर्देश गए हैं कि वे 7 कार्य दिवस में पदोन्नति के पदो और स्थानो पर कार्य भार ग्रहण कर लें।

19 आयकर आयुक्तों का हुआ तबादला, नवरतन सोनी होंगे सीजी एमपी के नए प्रधान आयुक्त

रायपुर। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने देशभर के 19 आयकर आयुक्तालयों में प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त और डीजी आयकर अन्वेषण की नियुक्तियां की है जिनमें नवरतन सोनी सीजी एमपी के नए प्रधान आयुक्त होंगे। वे उत्तर पूर्व क्षेत्र गोहाटी से स्थानांतरित किए गए हैं। उनका मुख्यालय भोपाल होगा।एमपी सीजी अब तक कानपुर कमिश्नर कृष्ण मुरारी के प्रभार में था। इनके अलावा डेढ़ दर्जन अतिरिक्त और संयुक्त आयुक्त के पदोन्नति के साथ-साथ तबादले भी किए गए। इनमें अतिरिक्त आयुक्त धर्मेन्द्र सिंह, रत्नेश कुमार शर्मा, संजय पाण्डेय, मौसमी मित्रा, एसजी मुन, रमाकांत प्रधान, पायल प्रकाश, गार्गी चौहान, संदीप आहुजा, एस भुवनेश्वरी, कुणाल किशोर, विशाखा सिंह, प्रद्युम मीणा, सौरभ शर्मा, सागर श्रीवास्तव, तरन्नुम वर्मा, और कपिल कपूर शामिल हैं।

शासकीय योजनाओं से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिल रही मजबूती

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। शासन की योजनाओं ने शिक्षित बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान किए हैं। इन योजनाओं का लाभ उठाकर युवा न केवल अपना व्यवसाय शुरू कर रहे हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे रहे हैं। ऐसी ही एक कहानी है सीतापुर विकास खंड के ग्राम पंचायत उडुमकेला के निवासी दिनेश सिंह की, जिन्होंने मत्स्य पालन को अपनी आजीविका का साधन बनाकर सफलता की नई मिसाल पेश की है।
श्री दिनेश सिंह ने एमए (राजनीति विज्ञान) तक पढ़ाई की है। पढ़ाई उपरांत उन्होंने स्वयं का व्यवसाय शुरू कर दूसरों को भी रोजगार देने की सोची। इसी दौरान उन्हें प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना की जानकारी मिली, जिसमें मत्स्य पालन के हेतु शासन की ओर से 40 प्रतिशत सब्सिडी मिलती है।

जशपुर में 28 हेक्टेयर में 53 लाख रुपए की लागत से बनाई गई पर्यावरण वाटिका

पर्यावरण वाटिका में योग जोन, जंगल ट्रेल और तितली जोन मौजूद

रायपुर विजयमत ब्यूरो।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बगिया में पर्यावरण वाटिका का किया लोकार्पण मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बगिया में पर्यावरण वाटिका का किया लोकार्पण मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बगिया में पर्यावरण वाटिका का लोकार्पण किया।

अगर आप प्रकृति के बीच स्वच्छ वातावरण में अपने परिवार के साथ समय बिताने आना चाहें तो बगिया में बनी पर्यावरण वाटिका आपका इंतजार कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रविवार को जशपुर जिले में स्थित अपने गृहग्राम बगिया में पर्यावरण वाटिका का लोकार्पण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वाटिका परिसर में नारियल, सुपाड़ी और सीता अशोक का पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

सुरम्य प्राकृतिक परिवेश में 53 लाख रुपए की लागत से 28 हेक्टेयर में निर्मित पर्यावरण वाटिका में एडवेंचर जोन, औषधीय गुणों से भरपूर पौधे, चिल्ड्रन पार्क, वाटर फॉल, मेडिटेशन हट, तितलियों के जीवन चक्र को प्रदर्शित

करता तितली जोन और कई निर्माण कराए गए हैं, जो लोगों को प्रकृति के और भी करीब ले जाकर आनंदमय अनुभव कराती है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वहां मौजूद ग्रामीणों से कहा कि इसके बन जाने से यहां पर रोजगार के अवसर निर्मित होंगे। मुख्यमंत्री बच्चों से पूरी आत्मीयता से मिले, दिए फल और ड्राई फ्रूट्स -मुख्यमंत्री जब भी बच्चों से मिलते है पूरे वात्सल्य भाव से मिलते हैं। आज जब मुख्यमंत्री पर्यावरण वाटिका का अवलोकन कर रहे थे, तब उन्होंने वहां खेल रहे बच्चों को अपने पास बुलाया और उनसे प्रेम भाव से बात की।

मुख्यमंत्री ने उन्हें फल और ड्राय फ्रूट्स भेंट किए। प्राथमिक स्कूल में पढ़ने वाले दीपांशु यादव, नीतू देवार, भीम विश्वकर्मा, रितेश राम सहित अन्य बच्चे मुख्यमंत्री से मिलने के बाद काफी खुश नजर आए।

इस अवसर पर विधायक और सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष श्रीमती गोमती साय, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय, पीसीसीएफ अरुण पांडेय, कमिश्नर नरेंद्र दुग्गा, आईजी अंकित गर्ग, कलेक्टर रोहित व्यास, पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह, वनमंडलाधिकारी श्री जितेन्द्र उपाध्याय, आईएफएस श्री निखिल अग्रवाल, सर्वश्री रामप्रताप सिंह, भरत सिंह, सुनील गुप्ता सहित अधिकारीगण और जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

वाटिका में लगाये गए हैं औषधीय गुणों से भरपूर पौधे

पर्यावरण वाटिका में जंगल ट्रेल का निर्माण किया गया है। जहां योग जोन, आरोग्य वन पथ, जंगल जिम, तितली जोन, मोगली एडवेंचर जोन, ऑक्सीजन बूथ, पैगोडा, गजराज जोन, तालाब, नेचुरल झूले, किड्स प्ले जोन बनाया गया है। यहां पर औषधीय गुणों से भरपूर हर्रा, गिलोय, बेली बांस, सर्पगंधा, अश्वगंधा, बारबाडोस लिली, पुदीना, लेमन ग्रास, पत्थरचट्टा, आंवला आदि अनेक प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं। वाटिका में निर्मित तितली जोन में तितली के पर्यावरण में योगदान को प्रदर्शित करते हुए तितली के सम्पूर्ण जीवन चक्र को दर्शाया गया है। यहां पर जशपुर में पाई जाने वाली सभी तितलियों की प्रजातियों को भी प्रदर्शित किया गया है। इस प्रदर्शन का उद्देश्य तितलियों के बारे में लोगों को जानकारी देने के साथ उनके संरक्षण के महत्व के बारे में भी बताना है।

मोगली एडवेंचर जोन में बच्चों के लिए हैं विभिन्न साहसिक खेल

वाटिका में बने किड्स प्ले जोन में बच्चों के लिए आकर्षक झूले लगाए गए हैं। जिसमें प्राकृतिक झूले भी बनाए गए हैं। इसके अतिरिक्त बच्चों के मनोरंजन के लिए मोगली एडवेंचर जोन बनाया गया है। जहां कमांडो नेट, टायर वॉक, बैलेंस ब्रिज, टायर क्लाइम्बिंग, रोप वॉक, इंक्लाइंड लॉग, कार्गो नेट, सिंगल लाइन ब्रिज, बर्मा ब्रिज आदि बनाये गए हैं।वाटिका में सरई छांव प्राकृतिक पैगोडा का निर्माण किया गया है। जहां परिवार के साथ प्रकृति का आनंद लिया जा सकता है। यहां पर आदिम कलाकारों द्वारा आदिम संस्कृति को प्रदर्शित करती कास्ट मूर्तियां भी लगाई गई हैं। इस वाटिका में पर्यावरण के प्रति जागृति दिखाते हुए बांस के बने आकर्षक डस्टबिन भी लगाए गए हैं।

राममय रायपुर-राम मंदिर में आकर्षक आतिशबाजी

ड्रोन से हनुमानजी का दर्शन, मेन रोड तक लोगों की लाइन, प्रदेशभर में में निकली भव्य शोभायात्रा

रायपुर विजयमत ब्यूरो।

देशभर के साथ रविवार को छत्तीसगढ़ में भी रामनवमी पर कई कार्यक्रम किए गए। रायपुर के वीआईपी रोड स्थित राम मंदिर में भव्य आतिशबाजी की गई। साथ ही ड्रोन से हनुमानजी ने दर्शन दिए। इसे देखने लोगों की भीड़ उमड़ी।सुबह मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी श्रीराम मंदिर में पूजा-अर्चना की। सीएम साय ने मंदिर परिसर स्थित अंजनी माता और बाल हनुमान मंदिर में भी पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। वहीं रायपुर के दूधाधारी और जैतूसाव मठ में भगवान राम का दूध से अभिषेक कर स्वर्ण श्रृंगार किया गया। साथ ही 1100 किलो मालपुआ का भोग लगा।

बिलासपुर और रायगढ़ में भव्य शोभा यात्रा- बिलासपुर और रायगढ़ में भी शोभा यात्रा निकाली गई। वहीं बस्तर, अंबिकापुर समेत प्रदेशभर में रामनवमी धूमधाम से मनाई जा रही। ज्योतिषाचार्य डॉ. दत्तात्रेय होस्केरे ने बताया कि कि भगवान राम का जन्म चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को दोपहर के समय हुआ।

छत्तीसगढ़ के विकास के लिए करेंगे कार्य

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर कहा कि रामनवमी पर्व से हम सभी को भगवान श्रीराम के आदर्श, उनके संयम, मर्यादा और न्यायप्रियता को अपने जीवन में आत्मसात करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने आह्वान किया कि हम सभी मिलकर राज्य के विकास के लिए समर्पण, एकता और सौहार्द के साथ कार्य करें–यही भगवान राम के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धा होगी।

शुभकामनाओं के साथ दिया एकजुटता का संदेश

रामनवमी की शुभकामनाएँ देते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक समृद्धि और सामाजिक सौहार्द इसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के आशीर्वाद और अपने परिश्रम से हम सब मिलकर समृद्ध छत्तीसगढ़ का निर्माण करेंगे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

1100 किलो मालपुआ का भोग लगाया गया

पुरानी बस्ती क्षेत्र स्थित जैतुसाव मठ 200 साल पुराना है। यहां अंग्रेजों के समय से मालपुआ बनते आ रहा है। इस बार भी रामनवमी के मौके पर 1100 किलो मालपुआ का भोग लगा। सदर बाजार के गोपाल मंदिर में भी दोपहर 12 बजे ठाकुरजी का पंचामृत स्नान और भजन-कीर्तन हुए।

कल से रायपुर में शुरू होगा टी-20 दिव्यांग क्रिकेट टूर्नामेंट, खिलाड़ियों से मिले सांसद

रायपुर विजयमत ब्यूरो।

राजधानी रायपुर स्थित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 8 मई से 14 मई 2025 तक आयोजित होने जा रही अटल बिहारी वाजपेयी मेमोरियल राष्ट्रीय टी-20 दिव्यांग क्रिकेट टूर्नामेंट (संस्करण-2) को लेकर डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया की कोर कमेटी के सदस्यों ने रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल से सौजन्य भेंट की एवं उन्हें टूनामेंट की अध्यक्षता हेतु औपचारिक आमंत्रण दिया। इस अवसर पर डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया के जनरल सेक्रेटरी रवि चौहान, सेंट्रल जोन चेयरमैन मनोज कुमार अग्रवाल, इंडिया कोर मेंबर अभिषेक सिंह, छत्तीसगढ़ राज्य सचिव श्रीमंत झा, जॉइंट सेक्रेटरी एस. मनमद राव एवं अन्य कोर कमेटी सदस्य

उपस्थित रहे।सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने आयोजकों को आश्वस्त करते हुए कहा, यह टूर्नामेंट दिव्यांगजनों के साहस, संकल्प और आत्मविश्वास का प्रतीक है। समाज को सकारात्मक दिशा देने वाला यह आयोजन हमारे लिए गौरव की बात है। मैं इस आयोजन को सफल बनाने हेतु हर संभव सहयोग करूंगा।उन्होंने आगे कहा कि इस टूनामेंट में देशभर से 128 दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे, जो निश्चित ही युवाओं को प्रेरणा देगा और समाज में दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान की भावना को और प्रबल करेगा।

जशपुर में रेप पीड़िता ने बच्ची को दिया जन्म

डर से नवजात को झाड़ियों में फेंका, अस्पताल में मौत

रायपुर। जशपुर जिले में नाबालिग से 3 साल तक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। नाबालिग गर्भवती हो गई और उसने सात महीने के बच्चे को जन्म दिया, लेकिन डर से उसने बच्चे को झाड़ियों में फेंक दिया। मामला बगीचा थाना इलाके का है।

जानकारी के मुताबिक, बगीचा थाना इलाके में 31 मार्च को राजपुरी नदी किनारे झाड़ियों में नवजात बच्ची मिली। राहगीर रोने की आवाज सुनकर पास पहुंचे तो बच्ची खून से लथपथ थी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। इस दौरान खून से लथपथ बच्ची को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। हालत गंभीर होने पर उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज भी रेफर किया गया, लेकिन वहां इलाज के दौरान नवजात की मौत हो गई।

नाबालिग ने खुद थाने जाकर घटना का खुलासा किया

पुलिस मामले की जांच कर रही थी, तभी एक नाबालिग लड़की खुद थाने पहुंची। पूरी घटना का खुलासा किया।

उसने बताया कि डुमरटोली निवासी 26 साल का रितेश तिग्गा पिछले 3 साल से उसका यौन शोषण कर रहा था।

इस दौरान वह गर्भवती हो गई। उसने 7 माह की बच्ची को जन्म दिया, फिर डर की वजह से झाड़ियों में फेंक दिया।

आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज

बगीचा थाना प्रभारी संतलाल आयाम ने बताया कि, नाबालिग की शिकायत के बाद आरोपी रितेश तिग्गा के खिलाफ धारा 376 और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

साथ ही पतासाजी कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

केंद्रीय मंत्री तोखन साहू बोले- कार्यकर्ताओं की मेहनत से बनी नंबर-1 पार्टी

भाजपा के 46वें स्थापना दिवस पर बिलासपुर में ध्वजारोहण

बिलासपुर। भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को 46वां स्थापना दिवस मनाया। बिलासपुर में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने जिला कार्यालय में पार्टी का ध्वज फहराया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भाजपा एक राष्ट्रवादी दल है। यह भारत को विश्व में एक मजबूत और समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

साहू ने भाजपा के इतिहास को याद करते हुए बताया कि 6 अप्रैल 1980 को दिल्ली के कोटला मैदान में अटल बिहारी वाजपेयी की अध्यक्षता में पार्टी का गठन हुआ था। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा केंद्र में पूर्ण बहुमत से सरकार चला रही है।

मोदी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र

केंद्रीय मंत्री ने मोदी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि राम मंदिर का भव्य निर्माण, धारा 370 की समाप्ति और वक्फ बोर्ड का अध्यादेश जैसे ऐतिहासिक फैसले लिए गए। सरकार की योजनाओं का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना है।

कार्यकर्ताओं की हुई सराहना

बिलासपुर ग्रामीण जिलाध्यक्ष मोहित जायसवाल ने कहा कि पंच से लेकर सांसद तक भाजपा के जनप्रतिनिधि हैं।

महापौर पूजा विधानी ने कार्यकर्ताओं की सराहना की। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, गुलशन ऋषि, अमरजीत सिंह दुआ समेत कई नेता मौजूद रहे।

नो एंट्री में घुसकर सवारी लेने वाले वाहनों का काटा गया चालान

रायपुर। टाटीबंध क्षेत्र में चलने वाले सवारी आटो, ई-रिक्शा चालकों द्वारा टाटीबंध क्षेत्र में महोबा बाजार से रामनगर कोटा मार्ग में विगत कुछ दिनों से कुछ सवारी बस चालकों द्वारा नो एंट्री में गाड़ी घुसकर सवारी परिवहन करने के संबंध में शिकायत किया। वरिष्ठ अधिकारी के संज्ञान में आने पर तत्काल थाना प्रभारी यातायात टाटीबंध को उक्त बसों के विरूद्ध चालानी कार्यवाही करने आदेश किया गया जिस पर थाना प्रभारी यातायात टाटीबंध निरीक्षक भुनेश्वर साहू द्वारा उक्त मार्ग में पेट्रोलिंग कर नो एंट्री में घुसकर सवारी परिवहन करने वाले यात्री बस क्रमांक सीजी 07-एनए-2812 एवं बस क्रमांक सीजी 07-ई-9911 के विरूद्ध मोटरयान अधिनियम की धारा 115/194 के तहत चालानी कार्यवाही कर दोबारा गलती करने पर प्रकरण न्यायालय भेजने की चेतावनी दी गयी। बता दे कि भाठागांव में नया बसस्टैण्ड शुरू होने के पश्चात शहर के भीतर सवारी बसों का प्रवेश प्रतिबंधित किया गया है। किन्तु कुछ बस चालक सवारी के लालच में महोबा बाजार से रामनगर कोटा मार्ग से नो एंट्री में वाहन प्रवेश कर यात्री परिवहन कर रहे थे जिसकी शिकायत उक्त मार्ग में चलने वाले सवारी आटो चालकों द्वारा एडिशनल एसपी ट्रैफिक से की गई।जिस पर एडिशनल एस.पी. ट्रैफिक डॉ प्रशांत शुक्ला द्वारा तत्काल थाना प्रभारी यातायात टाटीबंध रायपुर निरीक्षक भुनेश्वर साहू को उक्त बसों के विरूद्ध कार्यवाही करने निर्देश दिये।

खास-खबर शिक्षिकाओं ने कहा-'माता सीता की तरह अग्नि परीक्षा दे रहे, सरकार एडजस्टमेंट करे या हमें इच्छामृत्यु दे दे

बर्खास्त बीएड सहायक शिक्षकों ने अंगार पर चलकर जताया आक्रोश

रायपुर विजयमत ब्यूरो।

छत्तीसगढ़ में बर्खास्त किए गए बीएड सहायक शिक्षक पिछले 113 दिन से एडजस्टमेंट की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। शनिवार की रात अपनी बात सरकार तक पहुंचाने के लिए शिक्षकों ने अंगारों पर चलकर प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने कहा कि सरकार सेवा सुरक्षा दे या हमें इच्छा मृत्यु दे दे।

इस दौरान शिक्षिकाओं ने कहा कि जैसे सतयुग में अपनी सत्यता को सिद्ध करने के सीता माता को अग्नि परीक्षा देनी पड़ी थी, वैसे ही आज हमें भी अंगारों पर चलकर अग्नि परीक्षा देनी पड़ रही है। शिक्षक अपने हाथों में तख्ती लेकर

शिक्षकों की यह हैं प्रमुख मांगें

बीएड धारकों का समायोजन किया जाए, ताकि वे नौकरी से बाहर न हों।
बिना समाधान नौकरी से निकाले जाने का आदेश रोका जाए।
कमेटी की समय सीमा तय की जाए, ताकि फैसला लटकता न रहे।
* सालों की मेहनत को यूं बर्बाद न किया जाए, न्याय और सम्मान मिले।

चल रहे थे, जिसमें लिखा था सरकार हम निर्दोष शिक्षकों की गलती बताए। महिला टीचर्स ने कहा कि 113 दिनों से हम संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन सरकार का कोई भी प्रतिनिधि हमारी सुध लेने नहीं आया है। कमेटी के नाम पर हमें ठगा जा रहा है। इस प्रदर्शन के जरिए हम सरकार को बताना चाहते हैं कि हम कितनी तकलीफ में हैं। अंगारों पर चलकर हमारे पैर उतने नहीं जल रहे, जितना सरकार की उदासीनता से जल रहे हैं। अंगारों पर चलकर हमनें माता रानी को मनाने की कोशिश की है और मन्नत मांगी है कि माता की कृपा हो जाए। सरकार जल्द हमारे समायोजन का निर्णय ले।

113 दिन से घर से बाहर रहकर प्रदर्शन

एक महिला शिक्षिका ने कहा कि हमारी स्थिति ऐसी हो गई है कि हम कभी भी गलत कदम उठा सकते हैं। 113 दिन से घर से बाहर रहकर हम तूता धरना स्थल में प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकार हमारी मांगों को लेकर अब तक फैसला नहीं ले पाई है।

समझ नहीं आ रहा, हम क्या करें

सरकार से हमारी मांग है कि हमें हमें नौकरी सुरक्षा दे या हमें इच्छा मृत्यु दे दे। हम क्या करें अब हमें समझ नहीं आ रहा है। अगर हम कुछ भी कदम उठाएंगे तो उसकी जिम्मेदारी सरकार की रहेगी ।

चुनरी यात्रा भी निकाल चुके हैं प्रदर्शनकारी

महिला शिक्षिका ने कहा कि नवरात्रि के दौरान हमने चुनरी यात्रा निकालकर मां दुर्गा की आराधना की है और अब अंगारों पर चलकर भी हम अपनी बात सरकार तक पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इसके बाद भी हमारी मांगों को अनदेखा किया जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा आशमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जय स्तम्भ चौक, रायपुर (छग) से मुद्रित एवं डी-17, सेक्टर-1 गोंदवारा रोड, एकता नगर, गुढियारी, रायपुर (छग) से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला। प्रधान संपादक- विजय शुक्ला*।
आर.एन.आई. पंजीयन नं. CHHHIN/2017/75508 (*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र रायपुर (छग) होगा। मो.-8889977997